दरवाजे के अन्दर दरवाजे
Doors In Door

....इस सुबह। मैं अपने विषय में सोच रहा था जब मैं फलैगस्टाफ पहली बार आया था। मेरा अनुमान है कि इस बात को करीब अड़तीस वर्ष या शायद चालीस वर्ष हो गये हैं। मैं पहाड़ी के ऊपर जाने की बात कह रहा था। वहाँ पर बर्फ नही थी , परन्तु मेरी छोटी टी माडल गाड़ी मुश्किल से ही पहाड़ी के ऊपर जा सकती थी। यह तीस मील प्रति घंटे की रफतार से जा सकती थी , परन्तु यह तो पन्द्रह इस ओर और पन्द्रह इस दूसरी ओर उन सड़को में से किसी पर जा सकती थी। और वह बहुत अधिक.....

2 (मंच पर एक भाई कहता है ,"आप हमें वह फार्ड कविता क्यों नही सुनाते।"–सम्पा) भाई कार्ल! (कृप्या सुनायें) नही। वह मुझे एक कविता के विषय मं बता रहे हैं जो कि मैंने अपनी फार्ड कार पर एक समय बनायी थी। भाई कार्ल, इस कविता को कहने के लिये यह अच्छी जगह नही है।

3 अतः हम बहुत आभारी हैं। और मेरे पास इस सुबह इतनी सारी अच्छी गवाहीयाँ थीं , जो कि मैंने इन भाईयों से और कुछ व्यक्तियों से मुलाकात करते समये सुनी थीं।

4 और एक सेवक भाई था जिसने कि अभी बोला है , एक छोटा स्पैनिश भाई था जिसने कि अभी दी है..... इस छोटे लड़के के लिये गाने का समय था। क्या यह एक छः साल के लड़के के लिये एक अच्छी बात नही है ? (सभा कहती है ,"आमीन"–सम्पा) ओह मेरे परमेश्वर , एक छोटे लड़के से वह सबसे अच्छी आवाज मैं जो कभी सुन सकता था।

5 अब यह भाई यह कहना भूल गया , परन्तु वह आपके इस शहर में एक सभा कर रहा है। मैं सोचता हूँ कि यह सभा चर्च आफ गाड या

असेमबली आफ गाड नामक गिरजे में होगी ? (भाई कहता है ,''असेमबलीस'') असेमबली आफ गाड नामक गिरजे में। और मैं निश्चित हूँ कि आपकी उपस्थिति उन्हें अच्छी लगेगी। भाई , वह सभा कितने देर तक होगी ?(''पूरे रविवार को'') रविवार को।(''रविवार रात को'') रविवार रात को। (''हम आज रात्रि गाने की प्रेरणा पा रहे हैं'') श्रीमान ?(''हम आज रात्रि गाने की प्रेरणा पा रहे हैं'') आज रात्रि आप गाने की प्रेरणा पा रहे हैं। अब आप इस सभा के लिये सादर आमंत्रित हैं।(''साढ़े सात बजे'') आज रात्रि साढ़े सात बजे। और भाई यह कलीसिया कहाँ पर है ? (''113 पश्चिमी क्ले पर'') क्या आप हमें बस यह बतायेंगे कि यह कलिसीया कहाँ पर है ? (''113 पश्चिमी क्ले पर'') 113 पश्चिमी क्ले सड़क पर , ठीक इस फ्लैगस्टाफ शहर में। और–और मैं निश्चित हूँ कि....

6 क्या छोटा लड़का आप के साथ है ? (भाई कहता है ,''नही''–सम्पा) नही , उसका पिता गाना गायेगा। क्या आप गाते हैं , क्या नही गाते हैं ? यह तो अच्छी बात है , मैंने इस बात का एक बार सही अनुमान लगाया था। अच्छा ,यह बात बहुत कम ही देखने को मिलती है; परन्तु अक्सर यदि परिवार में कोई योग्यता होती है , तो यह एक से दूसरे तक और बाकि सब तक चली जाती है , ऐसा मेरा सोचना है। अतः उन्होंने किया है...(''भाई ब्रन्हम , इसकी शुरूआत उपवास और प्रार्थना से हुअी है'') उपवास और प्रार्थना , यह तो–यह तो वास्तव में एक अच्छी बात है।

7 अब , आप जानते हैं कि यदि अमेरिका , और सभी जन और सारे अमेरिकी परिवार ऐसे होते तो उन्हें बस पुलिस फोर्स को काम पर से हटाना पड़ जाता। मिलेनियम आरंभ हो जाता , क्या ऐसा नही होता ? यह बस.... तब सभी कुछ बहुत अच्छा होता। यह ठीक बात है। सारी मृत्यु समाप्त हो जाती , सारी बिमारीयाँ , दुःख और सारा हतोत्साहित होना जाता रहता और हम मसीह में होते।

8 अतः हम आनंदित हैं , और मैं इन सारो अच्छी गवाहियों को सुन रहा हूँ! और पहली बार मुझे यह सौभाग्य मिला कि मैं भाई अर्ल से मिलूँ। और–और पिछली रात्रि मैं उनकी पत्नी से बातचीत कर रहा था , और–और

उन्हें सभाओं में बहुत सी बार बुलाया गया था और वो चंगी हो गयी थीं; उन्होंने कहा कि पिछली सभा में वह मंच पर थीं।

9 अतः यह एक ऐसी बात हो गयी जिसने कि हमें हँसा दिया। मैं भाई अर्ल को स्मरण नही कर सका , जबकि मैंने कहीं पर उनसे हाथ मिलाया था। और–और मैं पिछली रात्रि खिड़की पर बैठी हुआ था , उनके आने की प्रतीक्षा कर रहा था। और एक लम्बे कद का व्यक्ति आया , और उसके काली मूँछे थीं। मैंने कहा ,''वह आ रहे हैं।'' और तब.... बिली , मेरे पुत्र ने कहा ,''ओह नही ,'' कहा ,''वह भाई अर्ल नही हैं। वह उम्र में उनसे बहुत छोटे हैं।'' और फिर पिछली रात्रि मेरी मुलाकात बहन अर्ल से हुअी और मुझे यह सौभाग्य मिला कि मैं इस शहर में उनके प्यारे घर में जाऊँ।

10 यह एक अच्छी जगह है। मैं इस जगह को बजाये फलैगस्टाफ कहने के फलैगपोल कहना चाहता था , क्योंकि यह यहाँ पहाड़ी के ऊपर है , समझे। और मैं आप को बताता हूँ कि यदि यहाँ पर टैक्सास से कोई है ,अब आप इस बात की डींग मारें। मैंने कल ट्युसान छोड़ा , और इस प्रातः मैं ओवरकोट पहन कर आया हूँ। समझे , जो उनके पास टैक्सास में है , वह हमारे पास ऐरीजोना में है , क्या नही है ? यह ठीक बात है। हम ठीक यहाँ पर हैं।

11 यह सहभागिता का समय है ! बूढ़े भाई बौसवर्थ , जो कि मेरे एक मित्र हैं ,आप में से बहुत से लोग भाई बौसवर्थ को जानते थे। वह बूढे संत व्यक्ति थे। और उन्होंने मुझसे एक बार कहा , उन्होंने कहा ,''भाई ब्रन्हम , क्या आप जानते हैं कि सहभागिता क्या होती है ?''

मैंने कहा ,''भाई बौसवर्थ , मैं सोचता हूँ।''

12 कहा ,''यह दो व्यक्ति होते हैं जो कि एक ही जहाज पर होते हैं , ताकि वे एक दूसरे के साथ कुछ बाँट सकते हैं।''

13 अतः यही सहभागिता होती है , हम लेते हैं और देते हैं , एक दूसरे

के साथ बाँटते हैं ; भाई कार्ल विलियमस के साथ और भाई आऊटलौ और बाकि सभी के साथ। ओह , भाई आऊटलौ ऐरीजोना में उन पहले व्यक्तियों में से एक थे जिन्होंने मेरी सभाओं को प्रायोजित किया था , और हम तब से बहुत अच्छे भाई हैं। और हम आप सभी के लिये बहुत आनंदित हैं , और उन सभी सेवक भाईयों के लिये और भाईयों के लिये जिनसे कि हम यहाँ मिले हैं, आनंदित हैं। मेरे पास इतना समय नही है कि उन सभी से हाथ मिलाऊँ , जो कि मैं करना चाहूँगा , परन्तु यह एक सहभागिता है जहाँ पर हम सब एकत्र होते हैं।

14 यह बात मुझे फीनिक्स सभा के–के विषय में याद दिलाती है। मुझे सौभाग्य मिला जबसे यह सभा पहले आरंभ हुयी , कि सभाओं को आयोजित करूँ और उनमें बोलूँ। और जिस संस्था से मेरा सम्बन्ध है , वह एक संस्था नही है। यह तो बस एक जीव है जो लोगो में कार्य कर रहा है।

15 और आप में से कुछ लोग जो इस प्रातः यहाँ पर हैं और इस उनका सम्बन्ध इस सहभागिता से नही है जो कि मसीही व्यापारीयों की फुल गास्पल सभा है , ... यदि आप विश्वास करते हैं और और मेरी राय को लेंगे , यह उन सबसे अच्छे लोगों का झुण्ड है। और–और सेवक भाईयों के लिये , यह आपकी कलीसिया के विरोध में नही है , यह आपकी कलीसिया के लिये है। देखिये , यह तो वह मार्ग है जिससे कि कलीसिया की स्थापना होती है।

16 मैंने अभी इस प्यारी महिला की तरफ देखा जिसने की कुछ छणों पहले गाया था। मैंने उस तरह से गाने के लिये लोगों को बहुत सी बार प्रयत्न करते हुये सुना है , परन्तु उस महिला के पास आप जानते हैं कि एक ऐसी आवाज थी जिसने की मिमियाती हुअी आवाज के बिना गाना गाया था। महिला , मुझे यह बहुत अच्छा लगा , यह बहुत ही अच्छा था , बहुत ही अच्छा। किसी ने कहा कि वह एक सेवक की पत्नी थी। और भाई ऐसा होना चाहिये कि वह आप को प्रत्येक रात्रि सोने से पहले तब तक गाना सुनायें जब तक कि आप सो नही जाते हैं , अतः यह एक बहुत ही अच्छी बात होगी , बहुत ही अच्छी बात होगी। यह एक बहुत ही अच्छा गाना गाया गया। मैंने उसकी सराहना करता हूँ।

17 और इस प्रातः यह मुझे एक छोटी–छोटी सी कहानी की याद दिलाता है। यह बात है मुझे–मुझे शिकार करना और मछली पकड़ना अच्छा लगता है और यही एक कारण है कि मैं यहाँ एरीजोना में हूँ , ताकि मैं शिकार कर सकूं और मछली पकड़ सकूं। और यह मुझे अच्छा लगता है। और एक बार मैं नये हैंम्पशायर में मछली पकड़ रहा था।

18 और मेरा अनुमान है कि मेरे पास मेरे बहुत सारे पुरूष और महिला साथी भी हैं जिनको कि मछली पकड़ना अच्छा लगता है , समझे। हम सभी को अच्छा लगता है।

19 अतः मेरे पास एक छोटा सा टेन्ट था जिसको की उठाकर मैं बहुत ऊँचे ले गया था , जहाँ पर आप जानते हैं कि वे लोग जो कि थोड़े से भारी होते हैं, वहाँ ऊपर नही जा सकते हैं। और वहाँ पर बहुत सारी अच्छी ब्रुक ट्राऊट , और ब्राऊन , स्कायर टेल और कटथ्रोट नाम की मछली थीं। ओह, नया हैंपशायर इनसे भरा हुआ है , वे छोटी नदियाँ नये हैंपशायर में पहाड़ीयों के ऊपर से नीचे आती हैं। और वहाँ पर छोटी ट्राऊट शायद चौदह , सोलह इंच की मछली थी , वहाँ पर ऐसी बस बहुत सी थीं ! और मैंने केवल.... मैं वहाँ पर गया और उन्हें पकड़ा , और उन्हें इसलिये पकड़ा कि उन्हें पकड़ने में बस मजा आ रहा था , और फिर उन्हें छोड़ दिया। यदि मैंने किसी मछली को मारा तो आप जानते हैं कि मैं–मैं उसे लेकर आता हूँ और उसे खाता हूँ।

20 अतः मेरे पास वहाँ पर पुरानी मूस घास थी जो कि उग रही थी , और–और हर एक बार मैं काँटे को उसमे फँसा देता था..... मेरे पास छोटी रायल कोचमैंन काँटा था। जब भी मैं उसे हवा में उड़ा कर वहाँ पर ले जाता था , तो मैं उसे मूस घास के झुण्ड में फँसा देता था। और मैंने सोचा ,"अच्छा, मैं एक कुल्हाड़ा लूँगा और इस सुबह वहाँ पर जाऊँगा और–और उस मूस घाँस को काट डालूँगा , ताकि मेरा काँटा उसमे न फँसे।" ओह , मैंने एक पुराने....के पीछे देखा जो कि ऊदबिलाव के एक पुराने रहने के स्थान के जैसे था , और वे वहाँपर बस पड़े हुये थे , इन्तजार कर रहे थे कि कोचमैन काँटा उन पर आ जाये। और अब , सारी रात.... मैं अपने बालों को हटा दिया करता था , परन्तु मेरे पास इतने अधिक बाल नही हैं कि वे उनमे आ जायें।

अतः मैंने–मैंने बस..... बस कैसे वे उसे देख रहे थे। अतः मैं वहाँ पर उस सुबह पहुँचा , उस छोटे कुल्हाड़े को लिया , और उस मूस घास को काट दिया। और मेरे पास तीन या चार मछली थीं जिनको कि मैं नाश्ते के लिये पकाने जा रहा था , और फिर वापस आना था। और मैं अच्छा खाना नही पका सकता हूँ। और तब मैंने अपनी पत्नी को बताया कि मैं पानी को तब तक उबाल नही सकता हूँ जब तक कि पानी बुरी तरह से खौला न दूँ , अतः आप जानते हैं कि यह खाना पकाने का एक बहुत ही बुरा कार्य होगा।

21 तब फिर जब मैं वापस आ रहा था , एक बूढ़ी माता भालू और उसके दो छोटे बच्चे मेरे टेन्ट मैं आ गये। और आप किसी चीज की तोड़–फोड़ के विषय में बातचीत करते हैं , आप यह नही जानते हैं कि कैसे चीजें टूट–फूट जाती हैं जब आप एक भालू को टेन्ट में आने देते हैं। वह , यह वह बात नही है कि वे क्या नाश करते हैं..... वे क्या खाते हैं , मेरा मतलब है कि वे क्या नाश करते हैं। मेरे पास एक छोटा स्टोव था , वहाँ अन्दर एक छोटा गडड़ीरयों का स्टोव था , और वे इस छोटे स्टोव के ऊपर चड़ते और ऊपर नीचे कूदते , और आप पाईप को चटकते हुये सुन सकते थे , और आप जानते हैं कि वे बस उसके टुकड़े–टुकड़े कर डालते। और जब मैं आया , मेरे पास एक छोटी 22 रायफल वहाँ अन्दर पड़ी हुअी थी , परन्तु मेरे हाथ में कुल्हाड़ा था।

22 और आप जानते हैं , जब मैं ऊपर आया , वह बूढ़ी माता भालू एक ओर भाग गयी , और उसने अपने बच्चों को आवाज दी। और उसका एक बच्चा उसके पीछे आया , ठीक है ; परन्तु दूसरा वाला जो कि छोटा सा था, बैठा रहा। मई का महीना था , आप जानते हैं कि वे बस बाहर निकल आये थे। उसकी पीठ मेरी ओर थी , इस तरह से। और मैंने सोचा ,''वह क्या कर रहा है ?'' अच्छा , तब उसने मुझे देखा। और मैंने एक पेड़ को ढूँढ़ा , यह देखने के लिये कि वह कितने नजदीक है , क्योंकि आप जानते हैं कि वे अपने बच्चों के लिये आप को खरोंच मार सकते हैं। और आप जानते हैं कि आप उनसे बोल कर वहाँ से बाहर निकाल नही सकते हैं , समझे। और आप जानते हैं कि मैंने बूढ़ी माता को कुछ छणों तक देखा। वह आवाज निकालती रही , और किसी चिड़िया की तरह से आवाज निकालती रही। आप जानते हैं कि उस तरह की आवाज सुनने में कैसी होती है। वह अपने बच्चे को

बुलाती रही , और उसका बच्चा नही आ रहा था।

23 अच्छा , मैंने अपनी रायफल के विषय में सोचा। और मैंने सोचा ,''नही, यदि मैं वहाँ भाग कर जाता हूँ और अपनी रायफल के ऊपर झपटता हूँ , यदि मैं उस बूढ़ी माँ को गोली मारता हूँ , तो दो बच्चे जंगल में अनाथ हो जायेंगे, ''और मैं उस बात का दोषी नही होना चाहता था। और उसके मेरी तरफ झपटने में , वह 22 रायफल एक तरह से छोटी पड़ती , आप जानते हैं। और कभी–कभी वह चलती नही है , और उसे चलाने के लिये आप को तीन या चार बार उसे चलाना होता है। अतः मैंने सोचा ,''अच्छा , मैं बस उस पेड़ पर चढ़ जाऊँगा यदि वो मेरी ओर आती है। मैं उस पेड़ पर ऊपर चड़ जाऊँगा और एक लकड़ी को लूंगा और उसकी नाक पर मारूँगा।'' उनकी नाक बड़ी नाजुक होती है। और वे बस चिल्लायेंगे और आप जानते हैं कि वे तब नीचे चले जायेंगे , और वे आप को अकेला छोड़ देंगे। अतः मैंने सोचा ,''मैं उस पेड़ पर चडूँगा।''

24 परन्तु उस छोटे बच्चे की क्या जिज्ञासा थी , ओह , वह इस प्रकार से बैठा हुआ था। और मैंने सोचा ,''वह क्या कर रहा है ?'' अतः मैं छुपता रहा और उसे उसे देखता रहा , उससे और भी दूर जाता रहा , और पेड़ के और नजदीक जाता रहा क्योंकि वह अपने बच्चे को लगातार बुला रही थी। अतः मैं कुछ दूर और गया और आप जानते हैं कि उस छोटे बच्चे ने क्या किया था?

25 अब मुझे फल्पिजैक या पैनकेक अच्छे लगते हैं , मेरा विश्वास है आप यहाँ पर उन्हें ऐसे ही कहते हैं। दक्षिण में नीचे हम उन्हें फल्पिजैक कहते हैं। और मैं उन्हें अच्छी तरह से नही बना सकता हूँ , परन्तु मैं उसे अच्छी तरह से खा सकता हूँ। और आप जानते हैं कि मैं बैपटिस्ट था। और मुझे छिड़काव करना अच्छा नही लगता है। मुझे वास्तव में उन्हें बपतिस्मा देना अच्छा लगता है , वास्तव में चाशनी(शीरा) में डुबाना। तो मेरे पास एक बरतन में शीरा था , लगभग इतना ऊँचा वहाँ पर रखा हुआ था , आधे गैलन से कम था जो कि फल्पिजैक बनाने के लिये रखा हुआ था।

26 और वह छोटा बच्चा , आप जानते हैं कि हर हालत में भालू को मीठा अच्छा लगता है। उसने वह शीरे की बालटी को खोल लिया था। और वह वहाँ पर अपने छोटे पंजे के साथ जो कि लगभग इनता चौड़ा था ,बैठा हुआ था। और उसने उसे अपने हाथों में ले रखा था , और वह अपना छोटा पंजा उसमें डाल रहा था और आप जानते हैं कि वह उसे इस तरह से चाट रहा था। यह ठीक बात है। और वह अपनी छोटी जीभ से उसे चाट रहा था। और मैंने..... यदि मेरे पास बस कैमरा होता , तो मुझे यह इस सुबह आपको दिखाने में बहुत अच्छा लगता , बस आप उसे देखते। और वह वहाँ पर था , अपना छोटा पंजा नीचे डाल रहा था और उसे इस तरह से चाट रहा था। और मैं चिल्लाया ,"वहाँ से बाहर जाओ ," उस तरह से चिल्लाया। और उसने मेरी ओर कोई ध्यान नही दिया , और उस तरह से उसे चाटता रहा। उसने वह बालटी खाली कर दी , समझे।

27 और मैं उसपर चिल्लाया , वह पीछे मुड़ा और मेरी तरफ इस तरह से देखा। वह अपनी आँखें खोल नही पा• रहा था , वह बस शीरे से भरा हुआ था , आप जानते हैं। उसकी आँखों पर सभी तरफ , उसका छोटा पेट जितना अधिक शीरे से भर सकता था , उतना भरा हुआ था ! और तब फिर कुछ समय बाद वह एक ओर लड़खड़ाया और अपनी माँ के पास चला गया। वे उसे वहाँ ऊपर झाड़ीओं में ले गये और उसे चाटना आरंभ कर दिया। वे बाल्टी के पास बैठने से डर रहे थे , परन्तु वे उसे चाट सकते थे।

28 और मैंने कहा , "यदि यह एक पुराने तरीके की एक अच्छी पिन्तेकोस्तल सभा नही है ; बस अच्छी , मीठी चीज से इतना अधिक भरे हुये हैं , वे बाहर जाते हैं , और कोई वह चीज उनपर से चाटता है। यही वास्तविक सहभागिता सभा है। अब हम बस उसी तरीके से आते हैं , ताकि हम अपने हाथ बाल्टी में डाल सकें , हममें से हर एक कोहनी तक परमेश्वर की आशीषों से भरा हुआ होता है। और मैं निश्चित हूँ कि आप इसे उस बेदारी में पायेंगे जो कि असेम्बली आफ गाड में होने जा रही है , अभी वहाँ पर हो रही है। परमेश्वर आप को आशीष दे।

29 दूसरे दिन मैंने फीनिक्स में कहा , थोड़ा.... मैं आशा करता हूँ कि सेवक के विषय में एक चुटकुला सुनना धर्मविरोधी नही होगा , यह सेवक हर सुबह बीस वर्ष तक मंच पर जाता था , वह बीस मिनटों तक प्रचार करता था , और तब वह समाप्त कर देता था , और तब वे यह नही समझ पाये थे कि ऐसा क्यों होता था। और तब एक सुबह उसने चार घंटे तक प्रचार किया। और–और डीकनो ने उसे वापस बुलाया और–और कहा ,"पास्टर , हम आपसे वास्तव में प्रेम करते हैं।" कहा ,"हम–हम यह सोचते हैं कि आपके संदेश अद्‌भुत होते हैं।" और कहा ,"हम डीकन बोर्ड आपको जानते हैं , हमने आपको देखा है और यह देखा है कि आप कितने समय तक प्रचार करते हैं , आप हर रविवार सुबह ठीक बीस मिनटों तक प्रचार करते हैं।" और कहा, "इस सुबह यह चार घंटे तक था।" कहा ,"हम बस समझ नही पाये।"

30 कहा ,"भाईयों , मैं आप को बताता हूँ।" उसने कहा ,"हर एक सुबह जब मैं प्रचार करने को जाता हूँ ," कहा ,"जब आप मुझे मंच पर बुलाते हैं , मैं जीवन को बचाने वाली गोली को अपनी जीभ के नीचे रख लेता हूँ। और ," कहा"बीस मिनटों में जब वह जीवन को बचाने वाली गोली समाप्त हो जाती है ," कहा ,"मैं–मैं–मैं समाप्त हो जाता हूँ ," उसने कहा ,"मैं यह जान जाता हूँ कि यह समाप्त करने का समय है।" और कहा ,"इस सुबह मुझसे क्या गलती हो गयी , मुझे बटन मिल गया।"

31 कार्ल विलियम्स और ज्वैल रोस , यह मेरे वास्तविक भाई और मित्र हैं , वे दूसरे दिन शहर गये , और मुझे देने के लिये लगभग इतना बड़ा बटन ले आये , परन्तु इस सुबह यह मेरे पास नही है। अतः , हम आभारी हैं कि हम यहाँ पर हैं।

32 अब , क्या आपमें से कोई जो यहाँ पर है वो डाक्टर ली वेल को जानता है? मैं नही सोचता हूँ.....शायद ऐसा न हो। वह एक बैपटिस्ट प्रचारक थे , उनके पास डाक्टर आफ डिविनिटी की उपाधि है , और उनके पास उनकी डिग्रायाँ हैं। आरंभ में वह हाई स्कूल अध्यापक थे , और वह एक बहुत ही अच्छे विद्वान व्यक्ति हैं। और *सात कलीसियायी काल* के मेरे टेपों को मैंने उनको भेजा ताकि वह उसको व्याकरण के अनुसार कर सकें। क्योंकि मेरी

पुरानी कैनटेकी की अंग्रेजी जैसे कि "हिट , हैन्ट , और टोट और कैरी और फेच ,"लोगो के लिये अच्छी नही है जो कि पुस्तकों को पढ़ते हैं , अतः वह मेरे लिये इस पुस्तक को व्याकरण के अनुसार करने जा रहे हैं। और तब , उनका ऐसा करने के बाद उन्होंने दो बार उसे वापस भेजा , ताकि उसमे और कथन जोड़े जा सकें। तीन या चार साल के बाद यह किताब अब छपने जा रही है।

33 उन्होंने मुझसे पूछा , उन्होंने कहा ,"क्या मैं एक पुस्तक लिख सकता हूँ , बस मेरी टिप्पड़ीयाँ ?"

34 और मैंने कहा ,"मैं कुछ कहने जा रहा हूँ।" कहा ,"यह बेचने के लिये नही है।"

और मैंने कहा ,"अच्छा , भाई ली , यह एक ठीक बात होगी। और मैंने सोचा.....

मैंने कहा ,"अच्छा , तब फिर मैं निश्चित हूँ कि वह एक ठीक बात है।" समझे?

35 और तब उनके पास एक प्रायोजित करने वाला था , लगभग दस लोग उसको प्रायोजित कर रहे थे , मैं सोचता हूँ , मैं समझता हूँ कि दस हजार प्रतियों के लिये उनको पन्द्रह सौ डालर लगे। और तब हमे–हमे वह प्राप्त हो गयीं हैं, दो दिन पहले वे छप कर आयीं हैं , और हमे केवल दो या तीन कल प्राप्त हुयीं थीं और बिली उन्हें लेकर आया था। और वे–वे उन्हें दे रहे हैं। अब मैंने उनको कभी नही पढ़ा है , मुझे यह नही पता है कि उन्होंने क्या कहा है। परन्तु मैं.... यह विश्वास के द्वारा है। परन्तु मैं सुनिश्चित हूँ कि यदि आप एक पाना चाहते हैं , यदि आप बस हमें लिखेंगे , तो यह आपको मुफ्त में भेज दी जायेगी। समझे ? और उसका नाम है "बीसवीं शताब्दी का भविष्यद्वक्ता।"

36 और मैंने इस तस्वीर में ध्यान दिया जो कि यहाँ इस पुस्तक के सामने

वाले पृष्ठ पर है , आपमें से बहुत से लोगों को यह तस्वीर मिली है और आपने इसे देखा है , यह वही परमेश्वर के दूत की तस्वीर है जिसकी तस्वीर ह्यूस्टन , टेक्सास में ली गयी। परन्तु उन्होंने उस तस्वीर का एक भाग काट दिया है।

37 तब फिर मैं यहाँ पीछे देखता हूँ। और यहाँ आप में से कितने ऐसे हैं जो कि इन सभाओं में एक में आये हैं , जरा देखें तो ? मेरा अनुमान है कि व्यावहारिक तौर पर आप सभी आये हैं। आपने मुझे बहुत सी बार बोलते हुये सुना है ,''परछाई किसी के ऊपर लटक रही है।'' अब देखें कि यदि आप एक कथन कहते हैं और वह सत्य नही होता है , परमेश्वर का उससे कोई लेना देना नही होता है। आप जानते हैं कि परमेश्वर का झूठ से कोई लेना देना नही है , और वह केवल उस बात का समर्थन करता है जो कि सत्य होती है।

38 अतः जब उसने मूसा को बताया जब उसकी मुलाकात उससे वहाँ पीछे जंगल में जलती हुयी झाड़ी में आग के खंबे के रूप में हुयी थी। तब फिर जब वह लोगो को बाहर लेकर आया , और उनको लेकर आया जो कि मूसा का अनुकरण उस यात्रा मे कर रहे थे , तब वह सिने पहाड़ पर उतर कर आया , यह वही आग का खंबा था , और उसने उस बात को प्रमाणित किया कि जो मूसा ने कहा है वह सत्य है।

39 अब परमेश्वर ऐसा करेगा। वह हमेशा ऐसा करता है। अतः यह उजियाला जो यहाँ पर है , निश्चित रूप से हम इसको परमेश्वर से जोड़ते हैं , क्योंकि उसका वही स्वभाव है और सारी बातें वैसी ही हैं जो कि उसने तब की थीं जब वह पृथ्वी पर था।

40 तब उस विषय पर बोलते हुये ,''यह व्यक्ति जो यहाँ पर है , मैं यह देख रहा हूँ कि आपके ऊपर मृत्यु की परछायी है।'' आपमें से कितनो ने यह कहते हुये सुना है! अच्छा , हाल में एक सभा में एक व्यक्ति जिज्ञासु था , वह यह देखना चाहता था कि जब यह बात बोली गयी तो यदि वे उसकी तस्वीर ले सकते हैं की नहीं। अतः उन्होंने.... एक महिला नजदीक बैठी हुयी थी ,

और इस व्यक्ति के पास कैमरा था। और मैंने कहा ,''यह स्त्री जो कि यहाँ पर बैठा हुआ है , वह श्रीमती *फलाने फलाने* हैं , या जो भी कुछ उसका नाम था। मैंने कहा ,''उस स्त्री के ऊपर मृत्यु की परछायी है , परन्तु वह कैंसर से पीढ़ित है।'' और ठीक तभी उसने उसकी तस्वीर उतार ली , क्योंकि वह नजदीक थी। और वह चीज वहाँ वर थी , समझे , उस स्त्री के ऊपर टोप के रूप में काली कैंसर रूपी मृत्यु की परछायी थी। और पवित्र आत्मा फिर से बोला .....

41 अब जब वे इस बात को इस पुस्तक में डालेंगे , उन्होंने बस इसे काट कर इसमें लगा दिया है जब तक कि वे इस पुस्तक को फिर से न छापें। और यही कारण है कि आप इस पुस्तक में एक पन्ना अलग से लगा हुया देखेंगे। मेरा सोचना है कि *वाइस आफ हीलिंग* ही वह थी जिसने इस पुस्तक को छापा था।

42 और अब यह बिलकुल मुफ्त है। और प्रायोजित करने वाले जिन्होंने इस पुस्तक में पन्द्रह सौ डालर लगाये हैं इस पुस्तक के पीछे वाले पृष्ठ पर हैं , कि यह जन समुदाय के पास पहुँच जाये और जन समुदाय इसे पढ़ ले। अतः यह मुफ्त में है , और यह एक छोटी सी अच्छी पुस्तक है। और मैं यह नही जानता हूँ कि इसके अन्दर क्या है , मैंने उसे कभी नही पढ़ा है; पिता इस बात को जानता है।

43 परन्तु देखिये , यह बात मेरे लिये एकदम सच है। हम इसी चीज अर्थात सत्य की राह देखते हैं। यीशु ने कहा ,''तुम सत्य को *जानोगे और* सत्य तुम्हें स्वतन्त्र कर देगा।'' और वह ही सत्य है। वह यीशु , परमेश्वर का पुत्र है , वह वचन का सत्य है , क्योंकि वह ही वचन था जो कि देहदारी हुआ था। ''आदि में वचन था , और वचन परमेश्वर के साथ था , और वचन परमेश्वर था। और वचन देहदारी हुआ और हमारे बीच में डेरा किया।'' तब फिर उस बात ने उसे सत्य बना दिया , क्योंकि वचन सत्य है , और वह सत्य था।

44 अब जब हम उसे इन अंतिम दिनो में वापस आता हुआ देखते हैं ,

परमेश्वर के इस बड़े बहाव को राष्ट्र से और संसार से जाते हुये और परमेश्वर का लोगो को दुल्हन के रूप में जो कि सत्य है , एकत्र करते हुये देखते हैं।

45 वर्षों पहले उन्होंने कहा ,"अन्य–अन्य भाषा में बोलने जैसी कोई बात नही है। यह बकवास है।" परमेश्वर ने इस बात की प्रतिज्ञा की है , और उसने इस बात को सत्य प्रमाणित करके दिखाया है। यह सच बात है।

46 किसी ने इस प्रातः कहा , मेरा विश्वास है कि वह हमारी महान बहन थी जो कि बच्चों के बपतिस्मे के सम्बन्ध में उनसे व्यवहार करती है , उसने कहा , आप किसी को अन्य–अन्य भाषा में बातें करते हुये सुन सकते हैं। परन्तु किसी को अन्य–अन्य भाषा में गाते हुये सुनना , समझे , वह एक बहुत सुन्दर बात थी।"

47 मुझे अपना पहला अनुभव जो कि मुझे रेडीजर आराधनालय , फोर्ट वेन , इन्डियाना में हुआ था , स्मरण है। और मैं , भाई बी.ई.रेडिजर की मृत्यु के बाद चंगाई सभा में बोल रहा था। और भाई बौसवर्थ वहाँ पर आये थे , और पौल रैडार भी थे। और आप में से बहुत से मेरी तरह बूढ़े लोगों को पौल राडार स्मरण हैं ; और वह एक बैपटिस्ट थे , और हम बैपटिस्ट थे , और अतः हम बड़े अच्छे मित्र थे। और अतः वहाँ पर बोलते हुये , हम बिमारों के लिये प्रार्थना करने जा रहे थे। मनुष्य के लिये यह अजीब बात थी परन्तु एक महिला एक छोटे लड़के को जो अपंग था , लेकर आयी , और जैसे ही वह मंच पर आया, परमेश्वर का दर्शन प्रगट हुआ और उसे सब कुछ बता दिया कि उस छोटे लड़के के साथ क्या मामला था। और मैंने उस लड़की से बोला कि उस छोटे लड़के को मुझे पकड़ा दे।

48 अब बस एक बहन की गवाही के लिये कि आप यह समझ पायें कि परमेश्वर के अनुग्रह में कितना आनंद है और उसका वास्तविक कार्य क्या है , और वह क्या कर सकता है जब वह परमेश्वर के वचन के अनुसार कार्य करता है, समझे ,परमेश्वर की यह इस घड़ी के लिये प्रतिज्ञा है।

49 अब परमेश्वर की नूह को की गयी प्रतिज्ञा आज हमारे लिये कार्य नही

करेगी। परमेश्वर की मूसा को की गयी प्रतिज्ञा , हमें मूसा का संदेश प्राप्त नही हो सकता है। मूसा के पास नूह का संदेश नही हो सकता है। हमारे पास इस घड़ी का संदेश है। हमारे पास लूथर का संदेश नही होना है। हमारे पास वैसली का संदेश नही होना है। यह समय कोई और समय है। परमेश्वर ने हर एक युग के लिये अपना वचन रखा है। और जैसे ही वह युग आता है , वह किसी को उस वचन को प्रमाणित करने के लिये भेजता है , यह दिखाने के लिये कि वह सत्य है। और अब हम उनमें से हर एक में ठीक वैसी ही बात देखते हैं जैसे कि यीशु ने तब कही थी जब वह पृथ्वी पर था , उसने कहा ,"तुम भविष्यद्वक्ताओं की कब्रों को बनाते हो , और तुम्हारे पिताओं न ही उन्हें यहाँ पर रखा है।"

50 अब मेरे लोग कैथलिक हैं जैसा कि आप जानते हैं , मैं आइरिश व्यक्ति हूँ। अब हम.... अब वे–वे संत पैट्रिक के विषय में बातें करते हैं , कैथलिक उसका दावा करते हैं। अच्छा , वह उतना ही कैथलिक है जितना कि मैं हूँ। वे जोन आफ आर्क के विषय में बातचीत करते हैं। हम सभी जानते हैं कि उन्होंने उसे एक चुड़ैल मानकर खूँटी से बाँधकर जला दिया , क्योंकि वह आत्मिक थी और दर्शन देखा करती थी। सौ वर्ष के बाद उन्होंने उस पुरोहित के शव को खोदकर पश्चाताप किया और उन्हें नदी में फेंक दिया। परन्तु यह वह बात नही है , समझे।

51 वे उसमे हमेशा चूक जाते हैं। मनुष्य हमेशा परमेश्वर की प्रशंशा उस बात के लिये करता है जो कि उसने पहले की थी , उस चीज की बाट जोहता है , जो वह होने जा रहा होता है , और उस चीज को अंजान रहता है जो परमेश्वर कर रहा होता है। यह बस मनुष्य का स्वभाव है। और संसार का मनुष्य , उसने अपना स्वभाव नही बदला है।

52 अतः हम यह पाते हैं कि आज हमारा जो संदेश है , जो संदेश हमारे पास है , कि "बाबुल से निकल आओ , और स्वतन्त्र हो जाओ , और–और पवित्र आत्मा से भर जाओ , और अपनी बत्तियों को सुव्यवस्थित और साफ रखो और ऊपर देखो क्योंकि तुम्हारा उद्धार निकट आ रहा है ," बहुत से लोग जो हमारे प्रभु के प्यारे नाम को बुलाते हैं और उसके नाम की सांसे लेते

हैं , उनके लिये यह बातें परायी बाते हैं।

53 परन्तु फिर भी इन सब बातों के मध्य में , हमारे पास उन लोगों के विरोध मे कुछ नही हैं , नामधारी गिरजों में लोगों के विरोध में कुछ नही है। वे ठीक हैं , वे अच्छे हैं। वे हैं–वे सुसमाचार में हमारे सहभागी हैं , क्योंकि यीशु ने कहा ,"कोई भी मेरे पास तब तक नही आ सकता है जब तक कि स्वर्गीय पिता ही न खींच लाये। और–और जितनो को पिता ने मुझे दिया है , वे सभी आयेंगे।"

54 अतः हमारी जिम्मेदारी बस बीज बोने के लिये है। कुछ सड़क के किनारे गिरे, कुछ अनेंको प्रकार की भुमि में गिरे , कुछ गिरे और सौ गुना फल लाये। अतः हम बस बीज बोने वाले हैं। परमेश्वर ही वह है जो उस बात का मार्गदर्शन करता है जब बीज गिरता है। और अब हम प्रार्थना करते हैं कि शायद इस प्रातः एक छोटा सा बीज कहीं पर गिरे , जो कि किसी को उत्साह प्रदान करे। और एक व्यक्ति के जैसे....

55 अपनी गवाही जो कि एक छोटी महिला के विषय में है जिसके विषय में मैं बोलने जा रहा था , समाप्त करते हुये मैं कहूँगा। यह महिला इस छोटे लड़के को लेकर आयी थी , यह छोटा लड़का मेरा अनुमान है कि वह लगभग दस, बारह वर्ष का होगा , शायद उसकी उम्र इतनी न हो , क्योंकि यह स्त्री उसे उठाये हुयी थी। और उसने उसे दे दिया। और बस ठीक तभी , जबकि मैं उस बच्चे के लिये प्रार्थना कर रहा था , वह छोटा बच्चा मेरी गोद में कूदा और मंच पर के नीचे भागता चला गया , जहाँ पर लगभग पैंतीस सौ या चार हजार लोग बैठे थे। और जब उन्होंने यह किया , पहली बात जो उन्होंने होते हुये देखी , वह माँ जो कि प्रथम सीट पर बैठी हुयी थी , बस बेहोश हो गयी और एक तरफ लुढ़क गयी। और एक छोटी आमिश लड़की.....

56 क्या आप आमिश लोगो को जानते हैं ? मैं यह नही जानता हूँ कि यहाँ पर वे आपके पास हैं कि नही , उनके लम्बे बाल होते हैं , वे बहुत ही मधुर लोग होते हैं , और बहुत साफ और अच्चे लोग होते हैं। आप जानते हैं कि मेनोनाइट लोगो में या आमीश लोगो में और इसी प्रकार के और लोगो

में , हमारे पास बाल अपराध का एक भी मामला नही है। आप चाहें तो उनको हास्यजनक कह सकते हैं , परन्तु हमारे–हमारे घरों में कुछ ऐसी बात की कमी है जो कि उनके पास है। उनके पास न्यायालयों में बाल अपराध का एक भी मामला नही है। वे अपने बच्चों को बस एक ही तरीके से पालन पोषण करते हैं , और वही तरीका है जिसे वे अपनाते हैं।

57 और यह युवती एक प्रसिद्ध पियानोवादक थी , वह एक सुन्दर युवा स्त्री थी, और उसके लम्बे सुनहरे बाल उसकी पीठ पर बंधे हुये थे। और जब उसने वहाँ देखा.... अब वह एक आमीश स्त्री थी , उसे पिन्तेकुस्त के विषय में कुछ नही पता था , और न ही मुझे पता था। परन्तु जब उसने मंच पर देखा , और उस छोटे लड़के को वहाँ पर चलते हुये देखा , उसने अपने हाथों को हवा में उठा लिया।

58 अब मैं जानता हूँ कि यहाँ पर हठधार्मिकता है , और मैं आशा करता हूँ कि मैं इसमे नही हूँ। मैं–मैं झूठ नही बोलता हूँ। और मैं–मैं ऐसा नही हूँ। यदि मैं गलत होता हूँ , मैं–मैं जानबूझकर गलत नही होता हूँ , मैं न जानते हुये गलत होता हूँ।

59 परन्तु उस स्त्री ने अपने हाथों को हवा में उठाया , और वे बाल उसके कंधे पर गिर गये , और वह अन्य–अन्य भाषा में गाने लगी। और वह उस गाने को बजा रही थी ,''वह महान चिकित्सक अब नजदीक है , सहानभूति करने वाला यीशु।'' और जब वह वहाँ से कूदी..... मैं जानता हूँ कि यह बात सुनने में अब विचित्र सी लगेगी। परन्तु इस स्त्री ने अन्य–अन्य भाषा में बोलने के विषय में कभी नही जाना था , परन्तु वह अन्य–अन्य भाषा में गा रही थी ,''वह महान चिकित्सक अब नजदीक है , सहानभूति करने वाला यीशु।'' और पियानो लगातार बज रहा था ,''वह महान चिकित्सक अब नजदीक है , सहानभूति करने वाला यीशु।'' अच्छा , उन बेदियों पर भीड़ लग गयी , और बालकनी में और जमीन पर लोग चिल्ला रहे थे! वह लड़की वहाँ पर अपने चेहरे को इस तरह से ऊपर करके खड़ी हुयी थी , अन्य–अन्य भाषा में बोल रही थी ; और पियानो की कुंजियाँ अब भी चल रही थीं :

"वह महान चिकित्सक अब नजदीक है ,
सहानभूति करने वाला यीशु।"
वह ढहते हुये हृदयों को सुख प्रदान करता है ,
यीशु के अलावा कोई और नाम नही है !

60 ओह ! "आँखों ने नही देखा और न कानो ने सुना है , कि हमारे लिये क्या रखा गया है।" आप जानते हैं कि मैं क्या सोच रहा हूँ ? हम क्यों–हम क्यों एक विकल्प या एक ढोंगी विश्वास को ग्रहण करें , जबकि पूरा स्वर्ग वास्तविकता से , परमेश्वर की वास्तविक सामर्थ से भरा हुआ है , जो कि किसी भी प्राण को स्वतन्त्र कर सकता है , जो कि हमारे लिये कुछ कर सकता है ? परमेश्वर आपको आशीष दे। अब बहुत सारी और बातें हैं।

61 मैंने यह आपको कभी नही बताया है कि यह पुस्तक आपको कहाँ से प्राप्त होगी , समझे। पोस्ट आफिस बाक्स 325 , जैफरसनविले से। और यदि आप लिखेंगे तो वे आपको यह भेज देंगे। या , आप किसी सभा में आयें , वे उन पुस्तकों को देंगे।

62 अब मैं इस सहभागिता के अच्छे समय के लिये बहुत आभारी हूँ। और इस प्रातः मैं एक छोटी कहानी के विषय में सोच रहा था जो कि मैं मसीही व्यापारीयों को बताया करता था , जकई के विषय में। आप में से बहुत से लोंगो ने मुझे यह बताते हुये सुना है कि कैसे यह छोटा व्यक्ति इस मन के विचारों के परखने में विश्वास नही करता था , जो कि परमेश्वर की ओर से था। क्योंकि मेरा अनुमान है कि जैसे कि हर एक युग में हमारे पास रहे हैं , आप वास्तविक को देखते हैं , तब फिर आप नकलों को देखते हैं। और हमें बस उस बात के साथ रहना पड़ता है। परन्तु अच्छे , ठीक तरह से सोचने वाले और वचनानुसार जीवन जीने वाले मनुष्य समझ जाते हैं , समझे। हम, इससे कोई फर्क नही पड़ता है....

63 जब श्रीमती ऐमी सेंपल मकफिरसन ने , जब वह इस पृथ्वी पर अपनी सेवकाई में थी , वे कहते हैं कि लगभग हर एक स्त्री प्रचारक उन पंखो जैसे कपड़ों को पहना करती थीं , जैसा कि आप जानते हैं या उन च़ोंगे को , और

बाईबिल को पकड़े रहती थीं।

64 बिली ग्राहम को बस देखिये जो कि आज इस देश में हैं। परन्तु आप जानते हैं , बिली ग्राहम कभी भी आपका स्थान नही ले सकता है। मैं बिली का स्थान नही ले सकता हूँ , वह मेरा स्थान नही ले सकते हैं। मैं आपका स्थान नही ले सकता हूँ , आप मेरा स्थान नही ले सकते हैं। आप परमेश्वर में व्यक्तिगत रूप से हैं। जिस तरह से आप हैं , परमेश्वर ने आपको उसी तरह किसी उद्देश्य के लिये बनाया है। यदि हम बस अपना स्थान पा लें , और फिर वहीं पर बने रहें। यदि हम कुछ और और करने का यत्न करते हैं , तब देखिये, हम किसी और के क्षेत्र में होते हैं , जब हम ऐसा करते हैं तो हम बस परमेश्वर की तस्वीर को बिगाड़ रहे होते हैं।

65 हम इस बात को वैसे ही लेते हैं जैसे कि नामधारी गिरजों के संसार में आज बिली ग्राहम हैं , यदि हम बस उन्हें बस एक फुटबाल खिलाड़ी कहें तो उनके हाथ में गेंद है।

66 अब यदि आप अपने व्यक्ति के हाथों से गेंद लेने की कोशिश करते हैं , आप बस अपनी टीम को परेशानी में डाल रहे होते हैं। अपने व्यक्ति की सुरक्षा कीजीये , समझे। आप उसे सुरक्षा प्रदान करते रहें , बाकि सभी को रखे रहें ताकि वह रन बना सके। और कुछ देर के बाद हम जमीन को छूयेंगे और यीशु का आगमन होगा , और तब यह सब समाप्त हो जायेगा। परमेश्वर आपको आशीष दे।

67 अब मैं इस व्यक्ति जकई के विषय में कहने जा रहा हूँ। और मैंने उसको इस पेड़ पर पाया , आप जानते हैं , उसके चारों ओर पत्तियाँ थीं। और जब वह उस पेड़ पर से नीचे आया , वह यीशु के साथ अपने घर गया। और मैंने कहा, "वह सम्पूर्ण सुसमाचार व्यापारियों की सभा का सदस्य बन गया।" अतः आज प्रातः यदि यहाँ पर कोई जकई है , मैं यह आशा करता हूँ कि आप अच्छी सलाह लेंगे और सम्पूर्ण सुसमाचार व्यापारियों की सभा के सदस्य बन जायेंगे।

आप कहते हैं ,"सम्पूर्ण सुसमाचार ?" जी हाँ , श्रीमान।

68 केवल वही वह जगह थी जहाँ यीशु ने प्रचार किया होता , और वह जगह सम्पूर्ण सुसमाचार की जगह होती। यह एक ठीक बात है। क्या यह ठीक बात नही है ?(सभा कहती है ,"आमीन।"–सम्पा) निश्चित रूप से वह सम्पूर्ण सुसमाचार था। यह ठीक बात है। वह स्वयं का इन्कार नही कर सकता है।

69 परन्तु अब मेरे पास यहाँ एक छोटे आम मूल पाठ के लिये कुछ वचन के लेख लिखे हुये हैं , मुझे इसके लिये कुछ और नही परन्तु बस कुछ मिनट लगेंगे यदि आप मेरे साथ इसे सहेंगे। और इससे पहले कि हम यह करें.... अब हमारी इस छोटी सहभागिता जिसमे हम एक साथ आयें हैं , और भालू के बालटी में हाथों और इसी तरह की बातों के विषय में बातचीत कर रहे हैं , आइये अब हम इन सब बातों को एक तरफ रखें , और बस यह सोचें कि हम एक दूसरे के साथ में परिचित हो रहे हैं। और , और हम यह चाहते हैं कि अब हम वचन के गहरे वाले भाग में प्रवेश करें।

70 आइये , हम अब अपने सरों को झुकायें , जैसे कि हम उसके समीप आते हैं। क्योंकि हमे बिना लेखक से पहले बातचीत किये हुये वचन के पास आने का अधिकार नही है।

71 जबकि हमारे सर झुके हुये हैं , हमारी आँखें बन्द हैं , और मैं विश्वास करता हूँ कि हमारे हृदय भी हमारे सरों के साथ में झुके हुये हैं। मैं आश्चर्य करता हूँ जबकि मैं अपनी आँखों को ऊपर उठाता हूँ और सभा पर दृष्टि डालता हूँ, यदि यहाँ पर कोई ऐसा है जो अपने हाथों को ऊपर उठाकर यह कहेगा , सेवक भाई , प्रार्थना में मुझे स्मरण रखना। मैं हूँ–मैं आज आवश्यकता में हूँ।" परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। अब वह आपके हाथों का देखता है। वह यह जानता है कि आपके हाथों के नीचे क्या है , आपके हृदय में क्या है। होने पाये कि वह इसे प्रदान करे , यह मेरी प्रार्थना है।

72 प्रिय परमेश्वर , जैसे कि हम इस भवन के लिये आभारी हैं कि हम आपके नम्र बच्चे यहाँ इसके अन्दर एकत्र हो सकते हैं , और बातचीत कर सकते हैं और सहभागिता कर सकते हैं , हम अपने आप को मसीह को समर्पित करते हैं और यह इच्छा रखते हैं कि हम और अधिक उसके सामान बने। परमेश्वर , हम सेवक भाई हैं जो कि उन व्यक्तियों के समीप बैठे हैं , जो कि यहाँ वचन को प्रचार करने के लिये मुझसे जो कि आपका अयोग्य दास हूँ , ज्यादा योग्य हैं, परन्तु यह मेरे भाग में आया है। और पिता , आज मैं यही प्रार्थना करता हूँ कि यदि मैं कुछ ऐसा बोलूँ जो कि बस परमेश्वर की इच्छा के अनूरूप न हो, कि पिता , इससे पहले कि मैं वह बात कहूँ , आप मेरे मुँह को बन्द कर देना; जैसे कि आपने एक दिन शेरों के मुँह को बन्द कर दिया था , ताकि वे दानियल को परेशान न कर सकें।

73 और पिता , हम आपसे यह माँगते हैं कि आप हर एक जन को और हर एक सेवक को स्मरण रखें। और परमेश्वर , यह बेदारी जो कि इस शहर में चल रही है , और जो कि असेम्बली आफ गाड तक जा रही है , प्रिय परमेश्वर , मैं यह प्रार्थना करता हूँ कि आप सारे शहर में एक ऐसी बेदारी भेजें कि पूरा शहर परमेश्वर की सामर्थ से हिला दिया जाये , कि यह सब शराबखाने और इधर–उधर सड़क पर डोलते बच्चे परमेश्वर के सिहांसन पर लाये जायें , और वे उसकी अच्छाईयों से और उसकी आत्मा से भर जायें। स्वर्गीय पिता , इसे प्रदान करें।

74 और आज हम यह प्रार्थना करते हैं कि यदि कोई पुरूष या स्त्री या लड़का या लड़की ऐसा है जो कि इस प्रातः इस सभा में लाया गया है जैसे कि बर्फीले स्थान में एक शरणस्थान का मिलना होता है , होने पाये कि महान पवित्र आत्मा उनके हृदयों से मुलाकात करे और उनसे रहस्मय तरीके से बोले। शायद कोई ऐसा हो जो कि भटक गया हो , जो कि पहले आपका स्वागत करता था , परमेश्वर , परन्तु अब वह दूर चला गया है ; परमेश्वर इस प्रातः उसे पुनः वापस लायें।

75 और हम इस सभा के लिये प्रार्थना करते हैं , भाई अर्ल और उनकी पत्नी के लिये और औरों के लिये प्रार्थना करते हैं। परमेश्वर , इसे प्रदान करें।

76 अब जैसे ही हम वचन के पन्नों को खोलते हैं , हमें जीवन की रोटी तोड़ कर दें , क्योंकि हम जानते हैं कि बाईबिल किसी के निज अनुवाद के लिये नही हैं। परन्तु , परमेश्वर यह नही चाहता है कि हम उसके वचन का अनुवाद करें, वह अपना अनुवादक स्वयं है। उसने एक दिन कहा ,''उजियाला हो ,'' और उजियाला हो गया। उसने कहा ,''एक कुँवारी गर्भवती होगी ,'' और वह हुयी। ''और सब प्राणीयों पर मैं अंतिम दिनों में अपना आत्मा उढ़ेलूंगा ,'' इससे कोई फर्क नही पड़ता है कि संसार क्या कहता है , उसने ऐसा किया। उसे किसी अनुवादक की आवश्यकता नही है। वह अपने वचन का अनुवाद वचन को जीवित करके और उसे प्रमाणित करके कि यह वैसा ही है , करता है। प्रभु यीशु , हमारे हृदयों में आइये , और उन बातों का अनुवाद कीजीये जिनकी हमें आवश्यकता है। हम यह यीशु के नाम में माँगते हैं। आमीन।

77 अब बाईबिल में यदि आप इसे निकालेंगे। मैं यह विश्वास करता हूँ कि मैंने कभी भी कोई संदेश बोलने के लिये तब तक नही लिया है जब तक कि मैं पहले वचन में उसे पढ़ न लूं। क्योंकि मेरे वचन असफल हो जायेंगे , मैं एक मनुष्य हूँ। परन्तु उसका वचन बस असफल नही हो सकता है , वह परमेश्वर है। अतः आइये हम एक छोटे मूल पाठ के लिये निकालें , और यदि प्रभु की इच्छा हुयी तो हम तीस या चालीस मिनटों में बाहर जायेंगे।

78 अब प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में , हम प्रकाशितवाक्य के तीसरे अध्याय और उसकी 14वीं आयत से आरंभ करंगे। और हम बस उसका एक भाग पढ़ेगे , यह लौदीकिया कलीसियायी काल के लिये संदेश है। और मैं विश्वास करता हूँ और मैं–मेरा यह अनुमान है कि सारे आत्मा से भरे हुये लोग और बाईबिल के पढ़ने वाले यह विश्वास करते हैं , और वे इस बात पर आमीन कह सकते हैं कि हम लौदीकिया कलीसियायी काल में हैं क्योंकि यह अंतिम युग है। इस युग के संदेश को सुनिये जो कि इस समय मे कलीसिया की स्थिति के विषय में है।

और लौदीकिया की कलीसिया के .....दूत को यह लिख , कि,जो आमीन , और विश्वासयोग्य है , और सच्चा गवाह है , और परमेश्वर की सृष्टि

का मूल कारण है , वह यह कहता है।

कि मैं तेरे कामों .....को जानता हूँ कि तू न तो ठंडा है और न गर्म : भला होता कि तू ठंडा या गर्म होता।

सो इसलिये कि तू गुनगुना है , और न ठंडा है न गर्म , मैं तुझे अपने मुँह से उगलने पर हूँ।

तू जो कहता है कि मैं धनी हूँ और धनवान हो गया हूँ , और मुझे किसी वस्तु की घटी नहीं , और यह नही जानता कि तू अभागा ...और तुच्छ... और कंगाल ...और अंधा और नंगा है।

इसी लिये मैं तुझे सम्मति देता हूँ कि आग में ...ताया हुआ सोना eq1 मोल ले कि धनी हो जाये ; और श्वेत वस्त्र ले ले कि पहनकर तुझे अपने नंगेपन की लज्जा न हो ; और अपनी आंखों में लगाने के लिये सुर्मा ले कि तू देखने लगे।

मैं जिन जिन से प्रीति रखता हूँ , उन सब को उलाहना और ताड़ना देता हूँ, इसलिये सरगर्म हो और मन फिरा।

देख मैं द्वार पर खड़ा हुआ खटखटाता हूँ ; यदि कोई मेरा शब्द सुनकर द्वार खोलेगा , तो मैं उसके पास भीतर आकर उसके साथ भोजन करूंगा , और वह मेरे साथ।

जो जय पाये , मैं उसे अपने साथ सिंहासन पर बैठाऊंगा , जैसा कि मैं भी जय पाकर अपने पिता के साथ उसके सिंहासन पर बैठ गया।

जिसे के कान हो वह सुन ले कि आत्मा कलीसिया से क्या कहता है।

79 परमेश्वर अपने वचन के पढ़े जाने पर आशीष प्रदान करे। अब मैं बस कुछ छणों के लिये एक छोटा मूल पाठ लेना चाहता हूँ , *दरवाजे के अन्दर*

दरवाजे(Doors In Door)।*दरवाजे के अन्दर दरवाजे* । अब यह एक बहुत ही..... ,*दरवाजे के अन्दर दरवाजे* इसमे तीन शब्द हैं। *दरवाजे के अन्दर दरवाजे।*

80 आप मुझसे कह सकते हैं ,''भाई , यहाँ पर शायद सौ लोग हैं। वहाँ पर , आप क्या यह नही सोचते हैं यह एक प्रकार से छोटा मूल पाठ है , जबकि आपके सामने सौ प्राण हैं ?''

81 अच्छा , वह बात सत्य हो सकती है , मूल पाठ छोटा है। परन्तु यह पाठ की लम्बाई नही है जिसका कि महत्व है। महत्व इस बात का है कि पाठ क्या कहता है।

82 जैसे कि मैं विश्वास करता हूँ कि लुईविले , कनटकी में कुछ समय पहले एक–एक छोटा लड़का ऊपर अटारी में था , दुछत्ती में कुछ पुराने बकसों के साथ में खेल रहा था , और उसे एक पुराने तरीके का डाक टिकट मिला। अच्छा , पहली बात जो उसके दिमाग में आयी , उसको उसके बदले में एक आइसक्रीम मिल जाती। सड़क पर आगे एक डाक टिकट को एकत्र करने वाला रहता था , अतः वह सड़क पर आगे गया , जितनी जल्दी से वो जा सकता था , उतनी जल्दी वह गया। और कहा ,''तुम मुझे इस टिकट के बदले में क्या दोगे ?''

83 उस टिकट के संग्रह करने वाले ने उस टिकट को देखा , और वह टिकट एक तरह से उसका रंग फीका पड़ गया था। उसने कहा ,''मैं तुम्हें इसके लिये एक डालर दूंगा।''

84 ओह मेरे परमेश्वर , वह तो सस्ते में बिक गया। वह तो उसे एक सेंट में बेचकर और उससे आइसक्रीस लेकर खुश हुआ होता , परन्तु वह तो एक डालर में बिका। टिकट संग्रह करने वाले ने उस टिकट को पांच सौ डालर में बेचा। और बाद में , मैं यह नही जानता हूँ कि वह टिकट कहाँ पर गया, उसकी कीमत सौ–सौ डालरों में लगायी गयी। आप समझे , वह छोटा कागज का टुकड़ा ज्यादा कुछ नही था , वह उस टुकड़े के सामान था जिसको कि

आप फर्श पर से उठाते हैं। परन्तु वह कागज नही था जिसका कि महत्व था, कागज पर जो था , उसका महत्व था।

85 और इसी तरह से परमेश्वर के वचन के पढ़े जाने में होता है। यह बस कागज नही है , कागज का मूल्य या कागज की लम्बाई नही है , यह तो वह है जो कि कागज पर लिखा है। और संसार को बचाने के लिये एक शब्द ही काफी है , यदि उसे उसी प्रकार से ग्रहण किया जाये।

86 कुछ समय पहले ....था... मैंने यह कहानी अपने महान... के समय में पढ़ी। उन सभी राष्ट्रपतियों में से सबसे महान राष्ट्रपति जो कि देश को मिला , वह लिंकन था। इस लिये नही कि वह कनटकी से सम्बन्ध रखता है , परन्तु इसलिये कि वह एक महान व्यक्ति था। वह शिक्षा से वंचित रहा , परन्तु फिर भी उसके हृदय में कुछ था , कुछ उद्देश्य था।

87 मुझे–मुझे दूरदर्शी व्यक्ति पसन्द हैं। मुझे वह लोग अच्छे लगते हैं जिनके पास कुछ ऐसा होता है जिस के लिये वे लड़ रहे होते हैं , ऐसे नही कि बस ऐसे ही बैठे रहें ,''अच्छा , जो भी कुछ हमारे सामने आयेगा वह ठीक होगा।'' ओह, ऊपर खड़े हो जायें और उस कार्य पर लग जायें ! और लिंकन ने कभी भी अपनी शिक्षा को अपना रास्ता रोकने न दिया ; उसके पास करने के लिये कुछ था। मैं यह सोचता हूँ कि हर एक मसीही को उसी प्रकार से होना चाहिये , अपना उद्देश्य पता लगायें और जाकर उसे करें।

88 इस सभा के हर एक सदस्य को , ऐसा नही कि ,''अच्छा , हम एक महीने में एक बार नाश्ते का आयोजन करेंगे ,'' यह वह बात नही है ,''या हर एक शनिवार को।'' आपके जीवन का कोई उद्देश्य हो , कुछ ऐसा जो कि आप करने जा रहे हैं। आइये ऐसा करें। परमेश्वर ने आपको यहाँ पर रखा है; उसके विषय में कुछ करें , हर एक कलीसिया का हर एक सदस्य उसके विषय में कुछ करे। शहर में एक बेदारी हो रही है। यह बेदार किसी उद्देश्य के लिये है। आइये , इससे हम कुछ पायें। आइये , इसके विषय में कुछ करें।

89 श्रीमान लिंकन। एक व्यक्ति था , एक युवा लड़का था , वह–वह युद्ध

में था, और–और वह था–वह आरम्भ से डरपोक था। और अपना कर्तव्य पूरा करने के समय वह–वह–वह अपनी चौकी से दूर भाग गया ; और उन्होंने उसके विरोध में कुछ पाया , कि उस बात के लिये उसको गोली से मार दिया जाना था। और ,ओह , वह..... यह बहूत ही बुरी बात थी। और एक व्यक्ति जो उससे बहुत प्रेम करता था , वह श्रीमान लिंकन के पास क्षमा माँगने के लिये गया। वह उस समय यहाँ संयुक्त राष्ट्र में राष्ट्रपति था , अतः वह उनके पास क्षमा माँगने के लिये गया।

90 और जैसे ही वह अपनी गाड़ी से नीचे उतर रहे थे ;ने उसने उनसे कहा ; और श्रीमान लिंकन एक लम्बे , दाढ़ी रखने वाले विशिष्ट रूप से पश्चिमी प्रान्त के और पतले व्यक्ति थे। और उसने कहा ,''श्रीमान लिंकन , एक लड़का है जिसकी अब से दो दिनो के अन्दर मुत्यु होने जा रही है , उसको गोली से मारा जाना है , क्योंकि वह युद्ध के समय भाग गया था।'' और उसने कहा ,''श्रीमान लिंकन ,वह लड़का एक बुरा लड़का नही है। परन्तु जब वे सारी बन्दूकें चल रही थीं , और–और लोग मर रहे थे , वह अधीर हो उठा। और वह इतना घबरा गया कि उसने अपने हाथ उठा लिये और चिल्लाने लगा।'' और कहा ,''मैं उस लड़के को जानता हूँ।'' कहा ,''श्रीमान लिंकन , इस कागज के टुकड़े पर केवल आप का नाम उसे बचा सकता है। क्या आप इसे करेंगे ?''

91 निःसन्देह , उस मसीही सज्जन ने जल्दी से कागज पर हस्ताक्षर कर दिये , ''क्षमादान दिया गया , फलाने–फलाने।'' अपने नाम के हस्ताक्षर कर दिये ,''अब्राहम लिंकन , संयुक्त राष्ट्र का राष्ट्रपति।''

92 जितनी जल्दी से हो सकता था , वह संदेशवाहक गया। और वह जेल में भागकर गया , उसने कहा ,''तुम आजाद हो !तुम आजाद हो! यहाँ पर श्रीमान लिंकन हैं , श्रीमान लिंकन के हस्ताक्षर हैं। तुम आजाद हो !''

93 उसने कहा ,''यह जानते हुये कि मैं कल मरने जा रहा हूँ , तुम मेरा मजाक उड़ाने क्यों आये हो।'' उसने कहा ,''इस चीज को मेरे सामने से ले जाओ, तुम बस मेरा मजाक उड़ा रहे हो।'' और वह उसे ग्रहण नही कर रहा

था। उसने कहा ,''नहीं ,मुझे–मुझे इसकी आवश्यकता नही है।'' कहा ,''तुम केवल मेरा.....'' कहा ,''यदि यह राष्ट्रपति ने किया होता ,'' कहा ,''इसके ऊपर मोहर होती , और यह एक ठीक प्रकार के कागज पर होता।''

उसने कहा ,''परन्तु यहाँ पर उनके हस्ताक्षर हैं।''

94 उसने कहा ,''मैं उनके हस्ताक्षर को कैसे जान सकता हूँ ?'' उसने कहा ,''तुम बस मेरा मजाक बना रहे हो , तुम बस यह मुझे एक अच्छा अहसास करवाने का यत्न कर रहे हो।'' और वह बस चिल्लाने लगा और अपनी पीठ धुमा ली। उस लड़के को अगली सुबह गोली मार दी गयी।

95 तब फिर लड़के के मरने के बाद , और राष्ट्रपति का नाम उस कागज पर होने के बाद कि उसको क्षमा कर दिया गया था , क्या हुआ ? और उन्होंने संघ की अदालत में मुकदमा किया। और संघीय अदालत जो कि सारी अदालतों में निर्णायक होती है ,उसका यह निर्णय था। वे जो कभी कहते हैं , हमें उनके निर्णय कभी–कभी अच्छे नही लगते है , परन्तु हमे हर हालत में उसको स्वीकार करना होता है , समझे , क्योंकि वह अंतिम बात होती है। वह निर्णायक बात होती है। अब उसने अपने निर्णय में यह कहा ,''क्षमा तब तक क्षमा नही होती है जब तक कि उसे क्षमा के रूप में ग्रहण न किया जाये।''

96 और उसी प्रकार से परमेश्वर का वचन होता है। यह क्षमा प्रदान करता है यदि उसे क्षमा के रूप में ग्रहण किया जाये। और यह परमेश्वर का वचन है , यह परमेश्वर की सामर्थ है , उनके लिये जो उसपर विश्वास करते हैं और उसे ग्रहण करते हैं।

97 इससे कोई फर्क नही पड़ता है कि आप उसकी तरफ देखें और आप कहें ,''ओह , इसमे तो बहुत गढ़बड़ी है , उसके लाखों अनुवाद हुये हैं , और उन सब प्रकार की बातें।'' किसी के लिये यह इस प्रकार से हो सकता है।

98 परन्तु मेरे लिये , यह अभी भी परमेश्वर का वचन है ,''यीशु मसीह

कल , आज और सर्वदा एक सा है।'' वह बाध्य है कि उस वचन के साथ में बना रहे।

99 अब किसी दिन उसे कलीसिया का न्याय करना है। और यदि वह इसका न्याय कैथलिक कलीसिया के द्वारा करता है , जो कि वे कहते हैं कि वो करेगा , तब फिर वह किस कैथलिक कलीसिया के द्वारा न्याय करेगा ? वे एक दूसरे से भिन्न हैं। यदि वह मेथोडिस्टों के द्वारा न्याय करेगा , तब आप बैपटिस्ट नाश हो जायेंगे। यदि वह पिन्तेकोस्तलों के द्वारा न्याय करेगा , बाकि सब नाश हो जायेंगे।

100 परन्तु वह कलीसिया के द्वारा न्याय नही करेगा। बाईबिल कहती है ,''वह संसार का न्याय यीशु मसीह के द्वारा करेगा , और मसीह वचन है।'' अतः आप समझे कि हम बिना किसी बहाने के हैं , यह परमेश्वर का वचन है जिसके द्वारा वह हमारा न्याय करता है ; और इससे काई फर्क नही पड़ता कि वह कितना छोटा है , एक शब्द का इसके लिये बहुत महत्व है , यह प्रकाशितवाक्य 22:18 में लिखा है।

101 पहला , मैं उत्पत्ति से आरम्भ करूँगा। परमेश्वर ने मानव जाति को अपना वचन दिया , ताकि वे अपने आपको मृत्यु , पाप और दुःख या किसी विपत्ति से बचा सके। उसके वचन की एक जंजीर थी। ''तुम उस निश्चित वृक्ष को नही छुओगे , क्योंकि जिस दिन तुम उसका फल खाओगे , उसी दिन तुम्हारी मृत्यु हो जायेगी।'' और एक जंजीर अपनी सबसे कमजोर वाले जोड़ पर सबसे अच्छी होती है। और हमारे प्राण अद्योलोक के ऊपर से इस जंजीर को पकड़े हुये जा रहे हैं ; उनमें से एक को तोड़ दीजीये , वही सब कुछ है जो कि आपको करना है। हव्वा ने एक वाक्य को नही तोड़ा था , उसने शैतान के द्वारा एक वचन को तोड़ दिया था।यह पुस्तक में पहली बात थी।

102 पुस्तक के मध्य में यीशु आया , और कहा ,''मनुष्य केवल रोटी से नही परन्तु हर एक वचन से जीवित रहेगा।'' वचन के भाग से नही , ऐसा नही कि एक यहाँ और एक वहाँ , परन्तु ,''हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है।''

103 जब उसकी मृत्यु हुयी और वह जीवित हो उठा और स्वर्ग में गया , और फिर वापस आया और युहन्ना को दिया..... जो कि उसने पुनुरूत्थान के बाद कहा था । कहा ,''क्या हो यदि.....'' कहा ,''इस व्यक्ति का क्या होगा।''

104 यीशु ने कहा ,''यदि मैं चाहूं कि वह मेरे आने तक ठहरा रहे , तो तुझे क्या ? वह यह ठीक–ठीक नही जानता था कि उसका जीवन अभी शेष है , परन्तु उसकी सेवकाई जारी रहेगी। और उसने उसे प्रकाशितवाक्य के चौथे अध्याय में ऊपर उठा लिया और वे बातें बतायीं जो कि होने वाली हैं , जिसमें कि हम रह रहे हैं , यहाँ तक कि आज की भी बातें।

105 और फिर 22वें अध्याय में , जो कि अंतिम अध्याय है उसकी 18वीं आयत में उसने कहा ,''जो भी कोई इस पुस्तक से एक शब्द निकाले या जोड़े , उसका भाग जीवन की पुस्तक से निकाल दिया जायेगा।'' समझे ? अतः हम विश्वास करते हैं कि मनुष्य परमेश्वर के हर एक वचन से जीवित रहता है। मैं इस बात पर विश्वास करता हूँ और मैं जानता हूँ कि यह सच बात है। यह कितना छोटा है , इससे कोई फर्क नही पड़ता है। इसे करने के लिये बस एक वचन की आवश्यकता है।

106 बहुत छोटा और तुच्छ होने के विषय में मैं सोच रहा था , मैं यह देख रहा हूँ कि मेरे कैनेडियन मित्र यहाँ पर बैठे हुये हैं। मुझे स्मरण है कि मैं कैनेडा में था जब राजा जार्ज..... मुझे सौभाग्य मिला कि मैं उसके लिये प्रार्थना करूं , उसको चंगाई मिली जब उसका शरीर बहुत जगहों से कठोर हो गया था ; वह शरीर का कई स्थानों से कठोर हो जाना नामक बिमारी से पीड़ित था , और उसके पेट में भी गड़बड़ी थी , उसके पेट में छाला था ; जैसा कि आप में बहुत से कैनेडियन जानते हैं और अमेरिकी लोग भी जानते हैं। मैं उनको एक बग्गी में बैठे हुये वहाँ से जाते हुये देख रहा था। वह एक राजा की तरह से व्यवहार कर रहा था। जैसे ही वह सड़क पर आ रहा था , उसके बगल में उसकी सुन्दर रानी अपने नीले कपड़ों में बैठी हुयी बैठी हुयी थी।

107 और मेरा एक मित्र और मैं एक साथ खड़े हुए थे। और जब वो बग्गी सामने से निकली , उसने बस अपना सिर घुमा लिया और रोना आरम्भ कर दिया। मैंने अपना हाथ उसके कंधे पर रखा और मैंने कहा ,''क्या बात है ?''

108 उसने कहा ,''भाई ब्रन्हम , वहाँ पर मेरे राजा और रानी जा रहे हैं।'' अच्छा, मैं–मैं उस बात की सराहना करता हूँ।

109 अतः मैंने सोचा ,''यदि एक कैनेडियन , सरकारी प्रधान के नीचे , सरकारी प्रधान नही , परन्तु फिर भी इंगलैंड का सरकारी प्रधान , और जब वह राजा का वहाँ से निकलना एक कैनेडियन व्यक्ति को रूला सकता है , उसने अपना सिर घुमा लिया और रोने लगा , तब क्या होगा जब हम अपने राजा को देंखेगे ?'' और इस बात के विषय में सोचिये , हमारा भाग एक रानी का होगा।

110 तब सब बच्चों को स्कूलों से बाहर की ओर ले जाया गया , छोटे बच्चों को, उनको एक छोटा ब्रिटेन का झंडा दिया गया। कैनेडियन झंडे को कुछ और कहा जाता है। भाई फ्रेड , कैनेडियन झंडे को क्या कहते हैं ? (भाई फ्रेड सोथमैन कहते हैं ,''यूनियन जैक।''–सम्पा) यूनियन जैक। परन्तु उन्होंने उनको हिलाने के लिये एक छोटा ब्रिटिश झंडा दिया। और जब वह राजा वहाँ से निकला , वे सब छोटे बच्चे वहाँ पर बाहर खड़े हो गये और अपने–अपने छोटे झंडे को हिलाने लगे और राजा के लिये जोर से चिल्लाने लगे। और–और ,जैसे ही राजा सड़को से निकला बैंड *परमेश्वर राजा को सलामत रखे* नामक गाने को बजाने लगे।

111 ओह , यदि आप बस यह देख... पुनुरूत्थान में वहाँ क्या होने जा रहा है, आप को वह बात वहाँ देखने को मिल जाती !

112 और जब वह परेड समाप्त हो गयी , तो उन छोटे बच्चों को यह बताया गया कि वापस स्कूल को जायें। और जब छोटे बच्चे वापस स्कूल जा रहे थे , एक स्कूल एक छोटी लड़की को ले जाने में चूक गया। और उस छोटे बच्चे को ढूंढ़ने के लिये वे सभी जगह सड़कों पर आगे और पीछे तक

गये। और अन्त में एक टेलीग्राफ के खम्बे के पीछे वह छोटी , बौनी सी छोटी लड़की खड़ी हुअी थी , बस बहुत जोर से रो रही थी।

113 अच्छा , अध्यापिका ने उसे उठाया और ....(टेप में रिक्त स्थान–सम्पा.) ''क्या बात है ? क्या तुमने राजा को नही देखा ?''

उस लड़की ने कहा ,''हाँ , मैंने राजा को देखा।''

कहा ,''क्या तुमने अपना झंडा नही हिलाया ?''

उस लड़की ने कहा ,''हाँ , मैंने–मैंने अपना झंडा हिलाया था।''

उसने कहा ,''अच्छा , तब फिर तुम क्यों रो रही हो ?''

114 उसने कहा ,''अध्यापिका , आप देखो कि मैं कितनी छोटी हूँ , दूसरे मेरे सामने खड़े हुये थे और वे बड़े थे। और मैंने अपने झंडे को हिलाया , परन्तु उसने उसे नही देखा।'' और वह उसके विषय में परेशान थी। अच्छा , शायद राजा जार्ज ने उस छोटे बच्चे को नही देखा हो। उसने उसके देशभक्त हृदय को न देखा हो , और यह न देख पाया हो कि वह उसके विषय में क्या महसूस कर ही थी। वह बहुत ही छोटी थी।

115 परन्तु हमारे राजा के विषय में ऐसा नही है ! ओह , वो सबसे छोटे कार्य जो कि हम करते हैं , वह उन्हें देखता है। और वह उन बातों को और विचारों को जानता है जो कि हमारे हृदय में हैं , जो भी कुछ हम करते हैं , वह बात कितनी छोटी क्यों न हो। और हम उसकी सेवा कैसे करते हैं ? जब हम एक दूसरे की सेवा करते हैं। यदि मैं आप से प्रेम नही करता हूँ , मैं उससे कैसे प्रेम कैसे कर सकता हूँ ? समझे ? ''जो भी तुम ने इन छोटे में से छोटों के साथ किया , वह तुमने मेरे साथ किया।'' समझे ?

116 यह वह छोटी बातें होती हैं जिनको कि हम कभी–कभी अधूरा छोड़ देते हैं, जो कि पूरी जंजीर को तोड़ देता है , आप समझे , और हमको आजाद

कर देता है , हमारी सोच नामधारी गिरजो कि तरह हो जाती है , और हम उन जरूरी बातों को भूल जाते हैं जो कि वास्तविक रूप से जरूरी बाते हैं। हर एक बात , परमेश्वर का हर एक वचन आवश्यक है। उसमें से किसी चीज को हम नही छोड़ सकते हैं। हमको हर एक वचन को लेना होता है , ठीक वैसे ही जैसे कि उसे लिखा गया है।

117 "मैं द्वार पर खड़ा हुआ खटखटाता हूँ ," यीशु ने इस लौदीकिया काल में कहा। क्या आपने ध्यान दिया , यह केवल एक ही कलीसिया काल है जिसमें उसे कलीसिया से बाहर निकाल दिया गया है ? और सब कलीसियायी कालों में वह कलीसिया के अन्दर था। मेथोडिस्ट कालों में , लूथरन में और ऐसी ही और कालों में वह कलीसिया के अन्दर था। परन्तु यहाँ पर वह बाहर खड़ा हुआ है , हमारे मतों और बातों ने उसे बाहर निकाल दिया है। परन्तु वह बाहर खड़ा हुआ है , अभी भी खटखटा रहा है ,"जो कोई भी सुनेगा और द्वार खोलेगा , मैं उसके साथ अन्दर आकर भोजन करूंगा , और उसकी आंखों के लिये चंगाई दूंगा , और–और वस्त्र दूंगा , और स्वर्ग की बहुमूल्य वस्तुयें दूंगा; वो जो मुझे खटखटाता हुआ सुनेगा।"

118 मैंने सोचा कि मैं उस चित्रकार का नाम सोच सकता हूँ जिसने कि एक चित्र बनाया था , या एक दरवाजे को चित्रित किया था। जब वह.... आप जानते सब चित्र जो कि महान चित्र कहलाते हैं , इससे पहले कि उस चित्र को प्रसिद्ध चित्रों के कमरों में लगाया जाये , उसको पहले एक जगह या ऐसी जगह से गुजरना होता है जहाँ पर उसकी आलोचना की जाती है। उस मूल चित्र की कीमत तब लाखों डालरों में हो जाती है।

119 परन्तु देखिये , यह वैसे ही है जैसे की कलीसिया को ऐसी स्थिति से गुजरना होता है जहाँ पर उसकी आलोचना हो। हम भी उस से गुजरते हैं। आप को "पवित्र–पांखडी" कहकर बुलाया जायेगा , आप को हर प्रकार के नामों से बुलाया जायेगा। परन्तु यदि बस आप केवल अपनी स्थिति को मसीह में थामें रखते हैं , तब किसी दिन वह आपको प्रसिद्ध चीजों के कमरे मे ले जायेगा। परन्तु पहले आप को आलोचना सहनी होगी। यही वह जगह है जहाँ हमारा छोटापन उजागर होता है , यह वही जगह है जहाँ पर वह दिखायी

देता है। ''वह जो ताड़ना को नही सह सकता है , वह व्याभिचार की संतान है और परमेश्वर की संतान नही है।'' इससे कोई फर्क नही पड़ता है कि वह कितना भी कलीसिया में सम्मिलित क्यों न हुआ हो , और कुछ भी क्यों न करा हो, वह अभी भी व्याभिचार की संतान है यदि वह ताड़ना को सह नही सकता है और वह परमेश्वर की वास्तविक संतान नही है। परन्तु परमेश्वर की वास्तविक, सच्ची संतान यह नही परवाह करती है कि संसार क्या कहता है , सारी बातें महत्वहीन होती हैं। उसके पास मसीह का मन होता है , और बस मामला वही पर समाप्त हो जाता है। जी हाँ। जो भी कुछ मसीह करने के लिये कहता है, वह करता है। जहाँ कहीं भी मेमना जाता है , वे उसी के साथ रहते हैं। और तब आप उसकी उपस्थिति को , उसके प्रगट होने को देखते हैं , और यह भी देखते हैं कि वह क्या करता है। वह हमैशा अपने लोगो के साथ अर्थात अपनी दुल्हन के साथ रहता है। वह उससे प्रेम जता रहा है। किसी दिन ब्याह का भोज होने जा रहा है।

120 फिर भी यह चित्रकार , जब आलोचना करने वालों का झुण्ड इस चित्रकार के चारों ओर एकत्र हुआ। मुझे उसका नाम याद नही आ रहा है। मैं माइकल ऐन्जलियो के विषय में सोचने का यत्न कर रहा हूँ , परन्तु वह मूसा की मूरत का शिल्पकार था। परन्तु मुझे उसका नाम याद नही आ रहा है। परन्तु फिर भी , उसने कहा ,''आपका चित्र उत्कृष्ट है ,'' कहा ,''मेरे पास ऐसा कुछ भी नही है जो कि मैं इस चित्र के विरोध में कहूं।'' उसने कहा ,''क्योंकि वह अपने हाथ में लानटेन लिये हुये खड़ा है , यह बात यह दिखाती है कि वह रात के धने अंधकार में भी आता है।'' उसने कहा ,''और फिर वह अपने सिर और कान को दरवाजे के पास लाकर खड़ा है , ताकि वह ..... यह निश्चित कर ले कि वह सबसे धीमी बुलाहट को सुनने में न चूक जाये। उसके कान दरवाजे की ओर हैं , और वह दरवाजे पर खटखटा रहा है।'' उसने कहा , ''आप जानते हैं श्रीमान , आप एक चीज को चित्र में बनाना भूल गये हैं।''

121 और उस चित्रकार को उस चित्र को बनाने में पूरा जीवनभर लग गया था , उसने कहा ,''श्रीमान , वह क्या चीज है जो कि मैं भूल गया हूँ।''

122 उसने कहा ,''इससे कोई फर्क नही पड़ता कि वह कितना भी क्यों न खटखटाये , समझे , आप वहाँ पर चटकनी लगाना भूल गये।'' दरवाजे पर कोई चटकनी नही है।'' यदि आप उस दरवाजे पर ध्यान दें तो वहाँ पर कोई चटकनी नही है।

123 ''ओह ,'' चित्रकार ने कहा ,''मैंने उसे वैसे ही बनाया है। आप देखें श्रीमान,'' उसने कहा ,''चटकनी तो दरवाजे के अन्दर है। आप ही वो हैं जो कि दरवाजे को खोलते हैं। आप दरवाजे को खोलते हैं।''

124 ओह , एक व्यक्ति किसी दूसरे के दरवाजे पर क्यों खटखटाता है ? वह अन्दर आने का यत्न कर रहा है। वह अन्दर प्रवेश करने का यत्न कर रहा है। उसके पास शायद कुछ है जो कि वह आपको बताना चाहता है या आपसे बातचीत करना चाहता है। उसके पास आपके लिये कोई संदेश है। और यही कारण है कि लोग किसी के दरवाजे पर खटखटाते हैं। उनके पास ऐसा करने के लिये कोई कारण है। कोई बात तब तक नही हो सकती है जब तक कि उसके पीछे कोई कारण न हो। आप किसी व्यक्ति के तब तक नही जा सकते हैं जब तक आपके पास वहाँ जाने के लिये कोई कारण न हो ; यदि कुछ नही है तो आप उससे मिलने जाते हैं , उसके लिये कोई संदेश लेकर आते हैं , या कुछ और बात होती है। किसी दूसरे व्यक्ति के दरवाजे पर खटखटाने के लिये एक व्यक्ति के पास कोई कारण होता है।

125 जहाँ कही भी कोई प्रश्न होता है , उसके लिये कोई उत्तर होना आवश्यक है। किसी उत्तर के हुये बिना कोई प्रश्न नही हो सकता है। अतः यही वह बात जिसको कि हम बाईबिल में देखते हैं , इन दिनो के जो प्रश्न हैं , बाईबिल में उनका उत्तर है। और मसीह ही वह उत्तर है।

126 अब जीवन के समयों में बहुत से महत्वपूर्ण लोगों ने दरवाजों पर खटखटाया है , और बहुत से लोगों ने गुजरे हुये दिनो में खटखटाया है ; और यदि समय आगे रहा तो ऐसे और भी बहुत से महत्वपूर्ण लोग होंगे।

127 अब पहली बात शायद यह है कि यदि कोई आपके दरवाजे पर खटखटाता है , यदि आप चाहें तो आप परदे को हटा कर यह देख सकते हैं कि वहाँ पर कौन है।

128 यदि आप व्यस्त हैं जैसा कि हम आज यह दावा करते हैं कि हम हैं ,''गिरजे जाने के लिये बहुत अधिक व्यस्त हैं ; यह करने के लिये बहुत अधिक व्यस्त हैं। और आप जानते हैं कि मेरी कलीसिया इस प्रकार की बातों में विश्वास नही करती है।'' और देखिये , हम बस वचन से थोड़ा हटे हुये होते हैं।

129 परन्तु आप परदे को हटाते हैं , कि आप यह देखना चाहते हैं कि वहाँ पर कौन खड़ा हुआ है। और यदि वह कोई महत्वपूर्ण व्यक्ति होता है , तेजी से आप दरवाजे की ओर दौड़ जाते हैं।

130 अब आइये हम कुछ पीछे चलें , उन लोगो को देखें जिन्होने खटखटाया है। आइये हम पीछे चलें और बहुत सी शताब्दियों पहले मिश्र के फिरौन के विषय में सोचें। क्या हो यदि–यदि मिश्र का राजा किसी किसान के घर आये ? और यह किसान एक प्रकार से फिरौन से असहमत हो , और वह उसकी नीतियों में विश्वास न करता हो , और उसकी सोच उससे भिन्न हो। और–और , परन्तु यहाँ पर फिरौन खड़ा हुआ है , एक ईटों के मजदूर या मिट्टी ढोने वाले मजदूर के दरवाजे पर खड़ा हुआ हो , जैसे कि हम उनको वहाँ मिश्र में कहते हैं। और वह अपना परदा हटाता है , वहाँ पर सर्वशक्तिमान फिरौन खड़ा हुआ है। और वह अपने चेहरे पर मुस्कान लिये खटखटा रहा है। (भाई ब्रन्हम किसी चीज पर खटखटाते हैं।–सम्पा.) क्यों , वह किसान अपने दरवाजे को खोलेगा और कहेगा ,''महान फिरौन , अन्दर प्रवेश करें , ऐसा होने पाये कि आपके नम्र दास को आपकी नजरों में अनुग्रह मिले। यदि मेरे घर में कुछ है , मैं आपका उसी तरह से दास हूँ , फिरौन। आपने मुझे अपने भाईयों से भी ज्यादा आदर दिया है। आप मेरे घर में आयें हैं और मैं एक निर्धन व्यक्ति हूँ। आप –आप केवल राजाओं को और उच्च लोगो को और महत्वपूर्ण लोगों से मिलते हैं। और मैं एक महत्वहीन व्यक्ति हूँ। परन्तु आप–आप ने मुझसे भेंट की है, आप ने मुझे आदर दिया है , फिरौन। ऐसा

क्या है जो कि आपका नम्र दास कर सकता है ?'' इससे कोई फर्क नही पड़ता है कि फिरौन क्या मांगेगा , यहाँ तक कि वह अपने जीवन को भी दे देगा। यह निश्चित बात है। यह उसके लिये एक आदर की बात है।

131 या एक छण के लिये कहें कि दिवंगत अडोल्फ हिटलर , जब वह जर्मनी का फुहर्र था। क्या होता यदि वह एक सिपाही के घर गया होता ? और वह नाजी सिपाहियों का झुण्ड चारों ओर कैंप बना के बैठे हुये होते हों , और पहली बात आप जानते हैं कि कोई दरवाजे पर खटखटाता है। और छोटे सिपाही ने कहा होगा ,''आह , मुझे इस सुबह अच्छा अनुभव नही हो रहा है ! पत्नी , उन्हें कहो कि वे चले जायें।''

132 और वह दरवाजे के पास तक जाती है और परदे को हटाती है। उसने कहा,'' पति ! पति , जल्दी से उठो !''

''क्या बात है ? वहाँ कौन खड़ा हुआ है ?''

''हिटलर , जर्मनी का फुहर्र !ओह मेरे परमेश्वर !''

133 वह छोटा सिपाही पीछे की ओर कूदा , अपने कपड़े जल्दी से पहने और सावधान अवस्था में खड़ा हो गया। दरवाजे की तरफ चल कर गया और दरवाजे से चटकनी हटायी और दरवाजे को खोला , और कहा ,''हिटलर आपका अभिवादन हो !'' समझे , वह अपने दिनो में जर्मनी में एक महान व्यक्ति था। ''मैं क्या कर सकता हूँ।''

134 यदि उसने कहा होता ,''वहाँ पहाड़ी से जाकर छलांग लगा दो ,'' उसने वैसा कर दिया होता। क्यों ? नाजियों के दिनो में जर्मनी में कोई ऐसा महत्वपूर्ण व्यक्ति कोई नही था जितना कि अडोल्फ हिटलर था। वह एक महान व्यक्ति था। और वह..... और क्या ही आदर की बात थी , जबकि वह केवल सेनापतियों से और महान लोगो से मिलता था , परन्तु यहाँ पर वह एक छोटे से महत्वहीन व्यक्ति के दरवाजे पर था ! ओह , निश्चित रूप से उसके लिये यह कितनी आदर की बात थी।

135 अच्छा , अब फलैग्स्टाफ के विषय में क्या ? हम इस बात को अपने घर के नजदीक लाकर देखेंगे। क्या हो यदि इस दोपहर को हमारे राष्ट्रपति , श्रीमान जानसन , एल0बी0जानसन , क्या हो यदि वह यहाँ कही पर हवाई जहाज से नीचे उतरें? और अब हम सभी एक श्रेणी के लोगों में हैं। हम सभी निर्धन हैं। हो सकता है कि किसी के पास थोड़ी सी अच्छी नौकरी है , हो सकता है कि थोड़ा सा अच्छा घर है , परन्तु फिर भी हम बस मानव हैं। परन्तु क्या हो यदि वे यहाँ आपके घर आ जायें , शायद हममें से सबसे नम्र के पास , और वे दरवाजे पर खटखटायें ; और आप दरवाजे पर जाते हैं , और वहाँ पर राष्ट्रपति एल0बी0जानसन खड़े हुये हों ? क्यों , यह एक बड़े आदर की बात होगी। हो सकता है कि आप राजनिति में उनसे भिन्न विचार रखतें हों। परन्तु आप संयुक्त राष्ट्र के राष्ट्रपति को अपने दरवाजे पर पाकर एक आदरयुक्त व्यक्ति होंगे! आप कौन हैं और मैं कौन हूँ ? और वहाँ पर आपके दरवाजे पर लिनडन जानसन खड़े हुये हैं! चाहे आप समाजवादी या गणतन्त्रवादी क्यों न हों ,या आप उनसे इतने अलग विचार रखते हों जितनी दूरी लाखों मीलों में होती है , परन्तु फिर भी यह आपके लिये आदर की बात होगी।

136 और आप जानते हैं कि क्या बात है ? चूंकि आपको आदर दिया गया क्यों , टेलीवीजन आज रात्रि इस बात को दिखायेंगे। यह निश्चित बात है। अखबारों में , यहाँ फलैग्स्टाफ के अखबार में कल यह सुर्खियों में होगा , कि "जान डो। संयुक्त राष्ट्र के राष्ट्रपति फलैग्स्टाफ में हवाई जहाज से बिना बलुाये गये , और बिना किसी निमंत्रण के खटखटाया" आपके दरवाजे पर। नम्र! उस राष्ट्रपति का एक नम्र व्यक्ति के रूप में नाम हो जायेगा , जबकि वह एक महान व्यक्ति हैं कि मेरे या आपके दरवाजे पर आयें ; हम कुछ नही हैं , और फिर वे आये और हमसे बातचीत की।

137 क्यों , आप सड़क पर चलेंगे और कहेंगे ,"हाँ , मैं ही वह व्यक्ति हूँ। राष्ट्रपति ने मुझसे मुलाकात की।"

138 "आप सीधे खड़े रहिये , मुझे आपकी तस्वीर उतारने दें। ठीक मेरी ओर देंखें। अब जबकि आप जा रहे है तो आपको कैसा लग रहा है ?" आप

एक महत्वपूर्ण व्यक्ति बन जायेंगे। यह निश्चित बात है।

139 क्या हो यदि इंगलैंड की रानी आये , हालांकि आप उनके अधिकार में नही हैं ? परन्तु आप में कुछ स्त्रियों के लिये यह आदर की बात होगी कि आप इंगलैंड की रानी का अभिवादन करें , हालाँकि आप उनके अधिकार में नही हैं। परन्तु फिर भी वह एक महान व्यक्ति हैं , इस समय संसार में वे सबसे महान रानी हैं। निश्चित रूप से , राजनैतिक तौर से बोला जाये तो वह हैं। परन्तु यदि वह आपसे आपकी दिवार पर लगे हुयी किसी कीमती चीज को मांगे जो कि आपके लिये बड़ी कीमती हो , आप उन्हें दे देंगी। ऐसा करना आपके लिये एक आदर की बात होती। निश्चित रूप से , वह इंगलैंड की रानी हैं।

140 और आपको राष्ट्रपति के द्वारा आदर मिलता। और सभी इंगलैंड की रानी की नम्रता के विषय में बातचीत करते , कि वह जहाज से फलैग्स्टाफ में किसी निश्चित स्त्री से मिलने गयीं जो कि कुछ भी नही है। और अखबार इस बात से भरे होते , और इस बात की खबरें प्रसारित की जातीं।

141 परन्तु आप जानते हैं कि सारे समयों का सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति , यीशु मसीह आपके दरवाजे पर खटखटाता है। और उसको सारे राजाओं और अधिपतियों से भी अधिक बाहर निकाल दिया जाता है। यह ठीक बात है। और हो सकता है कि आप उसे ग्रहण करें और बाहर जायें और उस बात के विषय में कुछ कहें , बाहरी संसार आपके ऊपर हंसेगा। कोई खबर..... नहीं होने जा रही है।

142 आपके घर पर यीशु मसीह से अधिक बड़ा कौन सा व्यक्ति आ सकता है? आपके दरवाजे पर यीशु मसीह से अधिक कौन सा बड़ा व्यक्ति खटखटा सकता है ? कौन ऐसा कर सकता है? परमेश्वर का पुत्र , जो आपके दरवाजे पर खटखटाता सकता है, वो ज्यादा महत्वपूर्ण होगा ? और फिर भी दिन–प्रतिदिन खटखटाता है। और यदि उसको आप ग्रहण भी कर लेते हैं तो आपको हठधर्मी कहा जाता है। अतः देखें कि संसार अपनो को कैसे जानता है ? यह ठीक बात है। परन्तु अब वह तब तक नही आयेगा जब तक कि

उसके पास आने का कारण न हो।

143 और क्या आप राष्ट्रपति जानसन या इंगलैंड की रानी या किसी और महान व्यक्ति की नम्रता के विषय में जानते हैं कि वह कैसे प्रदर्शित होगी , आपके दरवाजे पर खटखटाने पर उस महान महत्वपूर्ण व्यक्ति की नम्रता के विषय में क्या आपने सोचा है !

144 परमेश्वर के पुत्र की नम्रता के विषय में क्या ? हम पापी मनुष्य , गन्दे ,''पाप में जन्में , कुकर्म में ढाले गये और संसार में झूठ बोलते हुये आये'' हुओं के अलावा कौन हैं ? और फिर परमेश्वर का पुत्र आता है और हमारे दरवाजे पर खटखटाता है।

145 अब , इंगलैंड की रानी आपसे उपकार मांग सकती है। शायद वह आपसे कुछ ले ले। ऐसा ही राष्ट्रपति कर सकते हैं , वह आपसे वह बातें करने के लिये कह सकते हैं जो आप नही करना चाहते हों। वह आपसे उन बहुमूल्य चीजों को देने के लिये कह सकते हैं जो आप देना नही चाहते हों , और यह बात बस उनके लिये कुछ भी न मायने रखती हो।

146 परन्तु जब यीशु खटखटाता है , तो वह आपके लिये कुछ लेकर आता है। वह क्षमा को लेकर आता है। उसे मत ठुकराइये। क्योंकि जैसा उस बात का अदालत में मुकदमा लड़ा गया था , वैसे ही स्वर्ग के राज्य में होगा। यदि वह खटखटाता है और क्षमा को लेकर आता है , और आप उसे ठुकरा देते हैं ,और अपने पापों में मर जाते हैं , तो आप नाश हो जायेंगे ; यद्यपि आपको इस तरह की सभा में बैठने का आदर प्राप्त हुआ , यद्यपि आपको इस बेदारी में या अपनी कलीसिया में आने का आदर प्राप्त हुआ हो , और आपने अपने याजक को सुसमाचार को प्रचार करते हुआ सुना हो। और आपने सभा से यह बात बुलवाई हो कि ,''हाँ , मैं वहाँ पर गया था।'' शायद यह कहना बहुत कठिन होगा कि आप और क्या बोल सकते हैं।''मैंने गानो को सुना था। मैंने गवाहियों को सुना था। वह वास्तविक थीं।'' परन्तु आप ने उसे ठुकरा दिया।

147 क्या हो यदि मैं एक युवा व्यक्ति हूँ और मुझे एक युवा स्त्री मिल

जाये ; वह सुन्दर हो , वह मसीही हो ? वह.... उसके पास सारी योग्य.....(टेप में रिक्त स्थान –सम्पा) आप उसके साथ कोई गलत बात न पाते हों , परन्तु आप को मनुष्य के रीति–रिवाजों को एक ओर रखना होगा। आप कहते हैं ,''ओह , मैं विश्वास करता हूँ कि वह बात ठीक है। मैं यह देखता हूँ कि परमेश्वर ने यह कहा है।'' परन्तु आपको उस बात को ग्रहण करना होता है। तब वह स्त्री मेरा एक भाग बन जाती है। तब आप वचन का जो कि दुल्हन है , भाग बन जाते हैं। यदि वह वचन है , तो दुल्हन , वचन रूपी दुल्हन बन जाती है। समझे , निश्चित रूप से ऐसा होगा ! समझे , आपको उसे ग्रहण करना ही है। आप कर सकते हैं... आप जो चाहे वह कह सकते हैं , आप राष्ट्रपति के विषय में डींगे मार सकते हैं ; परन्तु अक्सर जब यीशु हमारे दरवाजों पर आता है , हम उसे एक तरफ कर देते हैं। समझे , हमें बस उससे कोई लेना–देना नही होता है। हम कहते हैं ,''अच्छा , किसी और दिन आना।''

148 क्या हो यदि आप किसी के दरवाजे पर खटखटायें ? अब आइये इस बात को दूसरी तरह से समझें। क्या हो यदि आप किसी के दरवाजे पर जाकर खटखटायें , और आपके पास उनके लिये कुछ हो ? और वे आपके लिये वैसे ही होते हैं जैसे कि आप परमेश्वर के लिये होते हैं ; अच्छा , यदि आप ऐसा करते हैं तो ठीक है , परन्तु आप ऐसा करने के लिये बाध्य नही हैं। अतः जब आप किसी के दरवाजे पर खटखटाते हैं , और वे खिड़की से बाहर झाकते हैं , और परदे को बन्द कर लेते हैं , या दरवाजे पर आते हैं और कहते हैं ,''किसी और समय आना !''

''अच्छा , मैं यही चाहुंगा कि....''

149 ''मेरे पास इस प्रातः समय नही हैं !'' आप जानते हैं कि आप क्या करेंगे ? शायद यही बात मैं भी करूं , और बाकी सब करेंगे , कि आप उस जगह कभी वापस नही जायेंगे।

150 परन्तु यीशु ऐसा नही करता है। ''मैं खड़ा हुआ खटखटाता हूँ ,'' लगातार खटखटा रहा है। (भाई ब्रन्हम किसी चीज पर लगातार खटखटाते

हैं –सम्पा) समझे ? "वह जो ढूंढ़ता है। "ढूंढ़ना ! वह जो खटखटाता है !" खटखटाना , खटखटाना एक जारी रहने वाली क्रिया है , खटखटाना !समझे, "वह जो ढूंढ़ता है , वह जो खटखटाता है , ..." ऐसा नही कि बस.....

151 जैसे कि अन्यायी न्यायाधीश का दृष्टान्त है। वह स्त्री गयी और वह बदला चाहती थी , परन्तु उसे वह नही मिल पा रहा था। वह..... लगातार उसने खटखटाया और बिनतियां की। और उसने कहा..... "बस केवल उससे छुटकारा पाने के लिये , मैं उसके दुश्मनों का बदला उसे दूंगा।"

152 स्वर्गीय पिता इससे कितना और अधिक क्यों न करेगा ? देखिये कि यह तो हम हैं जिसे कि उसके दरवाजे पर खटखटाना चाहिये। यह तो आदम था जिसे कि वाटिका में इधर–उधर चिल्ला कर भागने चाहिये था ,"पिता , पिता , आप कहा हैं ?" परन्तु इसके बजाये , उसके बजाये यह परमेश्वर था जो कि वाटिका में इधर–उधर भाग रहा था ,"पुत्र !पुत्र , तू कहां है?" समझे यह इस बात को दिखाता है कि हम क्या हैं। हम हमेशा छुप रह होते हैं , इसके बजाये कि हम बाहर आयें और उस बात का अंगीकार करें। हम किसी चीज के पीछे भागकर छुप जाने का यत्न करते हैं। देखिये , यह बस मनुष्य का स्वभाव है , हमें यह उसी प्रकार से मिला है। जी हाँ श्रीमान।

153 आप उन लोगों को वो जो सबसे अच्छी बात हो सकती है , देते हैं और सब कुछ देते हैं। परन्तु आप नही करते हैं , आप–आप–आप यीशु को ग्रहण नही करते हैं। मेरा मतलब आप से नही है , परन्तु उन लोगो से है जो कि यहाँ पर हैं।

154 और हो सकता है कि आप यह कहें , आप यह कह सकते हैं ,"प्रचारक ,मैं बस वह किया। मैंने–मैंने बस अपना हृदय खोला और यीशु को अन्दर आने दिया। मैंने ऐसा दस वर्ष पहले किया था। मैंने ऐसा बीस वर्ष पहले किया था।" अच्छा , वह बात बस बिलकुल ठीक हो सकती है , परन्तु क्या वही सब कुछ है जो आपने किया है ? समझे ?

155 अब मैं आपसे यह पूछना चाहता हूँ। यदि आप किसी को अपने घर

में आमंत्रित करते हैं , और जब आप दरवाजे के अन्दर चले जाते हैं.... कोई आपको निमंत्रण देता है , या यह कहता है ,''अन्दर आइये।''

156 ''जी हाँ , मेरे पास एक उद्देश्य है , मैं शहर के बाहर जाऊँगा और आदर पाऊँगा , आप समझे। ''इसी तरह से बहुत से लोग मसीह को ग्रहण करते हैं। ''मैं होऊँगा..... मैं–मैं उस कलीसिया से सम्बन्ध रखता हूँ। आप जानते हैं कि मैं उस अमुक–अमुक बड़ी जगह जो वहाँ पर है , से सम्बन्ध रखता हूँ , जहाँ पर वे डाक्टर हैं जिनको कि पी0एच0डी0 और एल0एल0डी की उपाधि प्राप्त है। और वह सबसे बड़ी कलीसिया है। आप जानते हैं , मेयर और हर एक जन वहाँ पर जाता है। मैं–मैं उस कलीसिया से सम्बन्ध रखता हूँ।'' उस व्यक्ति को वे लोग बस उसी प्रकार से अन्दर ले लेते हैं। ''हाँ , मैं उसे ग्रहण करूंगा ,'' देखिये , यह उनके अपने लाभ के लिये होता है।

157 परन्तु तब क्या होता है जब यीशु हृदय में आता है ? बहुत से लोग उसे इसलिये ग्रहण करते हैं क्योंकि वे नर्क में जाना नही चाहते हैं। परन्तु जब यीशु आपके हृदय में आता है तो वह आपका प्रभु होना चाहता है। बस केवल उद्धारकर्ता ही नही ; परन्तु प्रभु भी होना चाहता है। प्रभु का अर्थ है ,''प्रभुता करना।'' वह प्रभुता करने के लिये आता है।

अब आप कहते हैं ,''क्या यह ठीक है , भाई ब्रन्हम ?'' निश्चित रूप से यह है।

158 क्या हो यदि–यदि मैं आपको अपने घर पर आने का न्योता दूं , और आप दरवाजे पर आयें ? और आप दरवाजे पर खटखटाते हैं , और मैं बाहर देखता हूँ और मैं कहता हूँ ,''जी हाँ , अन्दर आइये। यदि आप मेरी सहायता कर सकते हैं , अच्छा , तो आप ऐसा करें। परन्तु अब , जब आप अन्दर आते हैं, मैं यह नही चाहता हूँ कि आप मेरे घर में हस्तक्षेप करें। आप ठीक वहीं दरवाजे पर खड़े रहें !''

159 स्मरण रखें , हमारा मूलपाठ है दरवाजे के अन्दर ''दरवाजे'' । अब मानव हृदय के अन्दर बहुत सारे छोटे दरवाजे हैं , और उन छोटे दरवाजों में

बहुत सी बातें छुपी हुयी होती हैं। जब वह अन्दर आता है , उसे बस अन्दर ले लेना ही सब कुछ नही है।

160 जब मैं आपके घर के अन्दर आता हूँ , यदि आप मेरा दरवाजे पर स्वागत करते हैं , क्यों , यदि आप कहते हैं ,"भाई ब्रन्हम , अन्दर आइये। मैं आपको देखकर अत्यन्त खुश हुआ !"

161 मैं कहूँगा , अच्छा , आपके घर में आना मेरे लिये एक सौभाग्य की बात है!"

162 "ओह , क्या आप अन्दर आकर नही बैंठेगे ?भाई ब्रन्हम , आप मेरे घर में जा सकते हैं , इसे अपना ही घर समझिये!" ओह मेरे परमेश्वर !

163 मैं रेफ्रीजीरेटर के पास जाऊँगा और अपने लिये उन बड़े सैंडविचों से एक को इस प्रकार से लूंगा , अपने जूतों को उतारूंगा , और शयनकक्ष में जाकर लेट जाऊँगा। और मेरी बस एक वास्तविक पेट भरने की जुबली हो जायेगी , समझे। क्यों ? क्योंकि मुझे लगा कि मेरा स्वागत किया गया है। आपने मेरा स्वागत किया। इसलिये मैं इस बात की सराहना करूंगा यदि आपने मेरा स्वागत किया।

164 परन्तु यदि मैं आपके घर जाता हूँ , और आप मुझे बताते हैं ,"आप अभी वहीं दरवाजे पर खड़े रहें , इधर–उधर हस्तक्षेप न करें !" मैं इनता अधिक स्वागत का अनुभव नही करूंगा। क्या आप करेंगे ? नही , देखिये , आप को स्वागत का अनुभव नही होगा। किसी ने आपको अन्दर बुलाया , और कहा ,"अब इन्तजार करो ! हाँ , अन्दर आइये परन्तु वही पर खड़े रहिये !"

165 अब , एक छोटा दरवाजा होता है जब आप मानवीय ह्रदय के अन्दर जाते हैं। हम उनमे से बस दो के विषय में बोलेंगे , समझे। हमारे पास समय नही है कि हम इन सब दरवाजों के अन्दर जाकर देखें क्योंकि यह बहुत से हैं। समझे? परन्तु अगले दस मिनटों में आइये हम दो या तीन दरवाजों के विषय में बोलें।

166 अब , *मानवीय* हृदय के दाहिने ओर , जब आप दरवाजे के अन्दर जाते हैं ,दाहिने ओर एक छोटा सा दरवाजा होता है , और उसे वहाँ पर अभिमान का दरवाजा कहा जाता है। ओह मेरे परमेश्वर ! "आप कभी भी उस दरवाजे में प्रवेश न करें।" वे प्रभु को उस अभिमान के दरवाजे के अन्दर आने देना नही चाहते हैं। "मैं राजसी व्यक्ति हूँ। मैं चिन्ता करता हूँ !ओह हाँ , अब देखो , मैं तुम्हें बताता हूँ , मैं–मैं–....." समझे , यह अभिमान है। "आप वहाँ अन्दर हस्तक्षेप न करें !" अब , जब तक कि आप उस अभिमान के दरवाजे को बन्द रखते हैं , उसका स्वागत नही हो पायेगा।

167 उसे आपको अपमानित करना होता है। समझे , इसीलिये वह अन्दर आता है।"आप का यह मतलब है कि मुझे वहाँ पर जाना पड़ेगा और बाकी सब की तरह से व्यवहार करना होगा ?" अच्छा , इस बात को करने की आपको आवश्यकता नही है , यह एक बात निश्चित है। "अच्छा , मैं आपको बताता हूँ , आप क्या सोचते हैं कि मैं करूंगा जब मैं अगली बार व्यापारियों की सभा में जाऊँगा ? मैं तब क्या करूँगा जब मैं कल अपने–अपने नियोजक से मिलूंगा ? और यह बात कि मुझे अपने ऊपर उस आत्मा को लाना होगा और मैं अपने कार्य के बीच में ऊपर कूद पड़ूँगा और अन्य–अन्य भाषा में बोलने लगूंगा , ओह , इससे मेरा अपमान होगा। नही , वहीं बाहर खड़े रहो!"

168 समझे , आप ठीक उस स्थिति में हैं , समझे। हां , आप यीशु को अन्दर आने देते हैं , आप कलीसिया में सम्मिलित हो जाते हैं और अपने नाम को उसमें लिखाते हैं , यीशु को उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण करते हैं ; परन्तु उसके प्रभु बनने के विषय में क्या जब वह पूरी तौर से आप का प्रभु बनना चाहता है ? जब वह प्रभु होता है , उसके पास सब कुछ होता है , सब कुछ उसका होता है ; समझे , आप , अब आप पूरी तौर से उसके लिये समर्पित होते हैं।

169 परन्तु वह छोटा अभिमान। "ओह , आपका मतलब है कि हम स्त्रियां , हम अपने बालों को बड़ाने जा रही हैं ?" अच्छा , यही है जो उसने कहा है। "हमें नाखूनो की पौलिश या मेक–अप के सामान को लगाना छोड़ना होगा ?" यही है जो उसने कहा है। "अच्छा , आप क्या सोचते हैं कि मेरा

कपड़े सीने के झुण्ड क्या कहेगा ? वे मुझे पुराने फैशन की कहेंगे।'' अच्छा , आप अपने अभिमान को रखे रहें। आप आगे बड़ें। वह दरवाजे पर ही खड़ा रहेगा , वह उतनी ही दूर तक जा सकता है।

170 परन्तु जब आप उस दरवाजे को खोलने के लिये तैयार होते हैं , उसे अन्दर आने देते हैं , वह आपके लिये इन सब चीजों की सफाई कर देगा। आधी पैंटे यहाँ बाहर कूड़े के डिब्बे में चली जायेंगी , और सौन्दर्य–प्रसाधन कूड़े के डिब्बे में चले जायेंगे , और बाल काटने वाला नाई भूखो मरेगा यदि वह बस वास्तविक विश्वासी स्त्री के बाल काटता होगा।

171 अब कहिये ,''ऐसा नही है!'' ओह , हाँ , ऐसा भी है। ऐसा ही बाईबिल ने कहा है। यह एक ठीक बात है। समझे , वहाँ पर एक छोटा सा शब्द है कि आप उसे वहाँ पर नही चाहते हैं।

''अच्छा , मेरा याजक !''

172 मैं उसकी परवाह नही करता हूँ कि याजक ने क्या कहा है। वैसा बाईबिल ने कहा है ,''ऐसा करना स्त्री के लिये शर्म की बात है।''

173 ''अच्छा'' , आप कहते हैं ,''भाई ब्रन्हम , आप को हमे यह बात सिखानी चाहिये कि पवित्र आत्मा को कैसे पाना है , और इस तरह से और उस तरह से कैसे होना है।'' आप बिना क , ख , ग को जाने हुये बीजगणित को कैसे कर सकते हैं? आप को यह तक नही पता है कि कैसे व्यवहार करना है , कैसे कपड़े पहनने हैं। आज सड़को पर इन स्त्रियों को देखना एक शर्म कर बात है।

174 मैं एक जगह कल गया था , जहाँ पर ओह , कुछ बिगड़े हुये लोगो का झुण्ड अन्दर आया। उन पुरूषों के आँखों में बाल थे , और वे बाल नीचे की ओर उनकी पीठ पर लटके हुये थे , और वे वैसे दिख रहे थे जैसे कि छोटे बच्चे दिखते हैं जब वे स्कूल पहन कर जाते हैं , उन्होंने बड़े और पुराने जूते पहने हुये थे , और उनका मुँह आधा खुला हुआ था। आप यह कह सकते थे

कि वे अपराधी थे। और वहाँ अन्दर चलकर गये और कहा ,''हम फ्रेंच लोग हैं।''

175 संसार में कोई ऐसा व्यक्ति नही है जो कि उनको व्यापार में काम पर रखता ? वे कैसे अपनी जीविका को कमाते होंगे ? और मैंने वहाँ पर दो वास्तविक युवा लड़को को बैठा हुआ देखा..... वे वहाँ के उसी विश्वविद्यालय से थे जहाँ के ये बीटनिक थे , या मैं विश्वास करता हूँ कि वे अपने आप को *बग्स या बीटिल्स* या कुछ उसी प्रकार कहकर पुकारते थे , यह कुछ ऐसी चीजें हैं जो इंगलैंड से आती हैं। और फिर वहाँ पर कौन ऐसे व्यक्ति को अपने लिये काम पर रखेगा? आप जो कि व्यापारी लोग हैं , क्या आप ऐसे व्यक्ति को अपने व्यापार में रखेंगे ? यदि आप ऐसा करेंगे , तो कुछ बात है , आप अभी भी क्रूस के ज्यादा नजदीक नही पहुंचे हैं।

176 सड़कों पर इन स्त्रियों को देखिये , और यह कितनी बदनामी की बात है ! हो सकता है कि वे छोटी निदोर्ष स्त्रियां हों जिन्होंने छोटे कपड़े पहने हुये हैं, समझे , अच्छा , जिस तरह से वे दिखती हैं , यह कितनी बदनामी की बात है। अच्छा , आप कहते हैं ,''क्यों ,स्त्रियों , आप व्याभिचार कर रही हैं।''

177 वे कहती हैं ,''युवा पुरूष , यहाँ एक मिनट के लिये रूको ! मैं जितनी अच्छे चरित्र की हो सकती हूँ , उतनी मैं हूँ.....'' आपके अपने विचारों में आप ऐसी हो सकती हैं। और ऐसा डाक्टरी परीक्षण से सिद्ध भी हो सकता है कि आप शायद ऐसी हों।

178 परन्तु स्मरण रखिये कि न्याय के दिन आप व्याभीचार करने के लिये उत्तर देने जा रही हैं। यीशु ने कहा ,''जो भी कोई एक स्त्री के ऊपर कुदृष्टि डालता है, वह अपने हृदय में उसके साथ पहले ही व्याभीचार कर चुका ,'' और आप ने अपने आप को उसके सामने प्रस्तुत किया। देखिये कि शैतान ने कैसे उनको अंधा कर रखा है ? यह अपमानजनक बात है। यह शर्म की बात है। आप समझे , उनके–उनके ऊपर एक आत्मा है। यह एक आत्मा है जो कि ऐसा करती है। यह एक अपवित्र आत्मा है।

179 परन्तु सच्चा पवित्र आत्मा एक स्त्री को अच्छे कपड़े पहनवायेगा और उसे पवित्र दिखना सिखलायेगा।

180 मेरी पत्नी ने एक बार मुझसे कहा। हम एक बार सड़क पर जा रहे थे , और हमने पाया कि हमारे देश में एक स्त्री एक प्रकार के वस्त्र पहने हुयी थी। वह एक बड़ी विचित्र बात थी , समझे , वहाँ पर बहुत अधिक पिन्तेकोस्त्ल नही हैं। अतः हमने पाया कि उसने एक वस्त्र पहना हुआ था। और उसने कहा ,"बिली।" कहा ,"मैं उनमें से कुछ स्त्रियों को जानती हूँ। वे इन कलीसियाओं में गायन मडंलियों में गाती हैं।

मैंने कहा ,"निश्चित रूप से।"

कहा ,"अच्छा , और वे मसीही होने का दावा करती हैं ?"

मैंने कहा ,"प्रिय , देखो। देखो , हम नही हैं....."

कहा ,"हमारे लोग क्यों करते हैं ?"

मैंने कहा ,"प्रिय , देखो , हम उनकी जाति के बिलकुल भी नही हैं।"

उसने कहा ,"क्या ?" कहा ,"वे अमेरिकी लोग हैं।"

मैंने कहा ,"हाँ , परन्तु हम नही हैं ?"

उसने कहा ,"हम नही हैं ?"

मैंने कहा ,"नहीं।"

181 मैंने कहा ,"जब मैं जर्मनी में जाता हूँ , मुझे जर्मनी की आत्मा मिलती है। जब मैं फिनलैंड में गया....." वहाँ ऊपर गर्म पानी के स्नानघर में , जैसा कि आप में से बहुत से फिनलैंड वासी जानते हैं , स्त्रियां पुरूषों को नहलाती

हैं। अतः, यह बस फिनलैंड की आत्मा है। वे महान अच्छे लोग हैं , परन्तु आप यह पाते हैं कि जहाँ कही भी आप जाते हैं , आप एक राष्ट्रीय आत्मा को पाते हैं।

182. आप किसी कलीसिया में जायें और वहाँ के याजक को देखें , यदि वह वास्तविक रूप में असभ्य है और बुड़बुड़ाता रहता है , सभा भी वैसी ही होगी। समझे? वे बजाये पवित्र आत्मा को पाने के एक दूसरे की आत्मा को पा लेते हैं।

183 यही कारण है कि हमारे पास पवित्रशास्त्र की इतनी अधिक बिगड़ी हुयी शिक्षायें हैं। वास्तविक बात पर वापस आने के बजाये उन्होंने किसी नामधारी गिरजे की आत्मा ले ली है। समझे ? परन्तु वचन उनके लिये उतना ही पराया है जैसा कि उन दिनो में था जब यीशु वास्तविक सच्चे सुसमाचार का परिचय करवाने आया था। उन्होंने कहा ,"वह शैतान है। वह बालजबूल है।" समझे? परन्तु आप उस बात को वहाँ पर समझ जाते हैं।

184 और उसने कहा ,"अच्छा ,तब फिर हम अमेरिकी नही हैं , हम कौन हैं ?"

185 मैंने कहा ,"हमारा राज्य ऊपर का है।" समझे , हम स्वतन्त्र हैं , नया जन्म प्राप्त किये हुये हैं। परमेश्वर का राज्य आपके अन्दर है। समझे , वहाँ ऊपर के जैसे व्यवहार करें , आप वहाँ ऊपर के प्रतिनिधि हैं। मैंने कहा ,"हम यहाँ पर नागरिक हैं , देह में रह रहे हैं। परन्तु अपनी आत्माओं में , हम यात्री और अजनबी लोग हैं।" अभी हम इस संसार के लिये पराये हैं , यहाँ तक कि हम अपने राष्ट्र में भी पराये हैं , क्योंकि हमने उसके अर्थात उसके वचन के भाग बन जाने के निमंत्रण को ग्रहण किया , जब उसने हमारे हृदय के दरवाजों पर खटखटाया। और वचन हमें ठीक करता है , हमें मसीही की तरह से जीवन को जीने में सहायता करता है और उसकी तरह व्यवहार करवाता है।

186 कुछ समय पहले , पश्चिम प्रान्त की एक छोटी सी कहानी है। एक

राजा था..... या एक खरीदने वाला था। वे गुलामो को बेचा करते थे। वो अलगाव का समय था, और पश्चिमी प्रान्त में उनके पास गुलाम थे। वे... उनको जाना था और उनको खरीदना था , जैसे कि आप एक इस्तेमाल की हुयी कार को उनके झुण्ड में से खरीदते हैं।

187 अब मैं बिलकुल एकीकरणवादी हूँ ,..... मेरा मतलब है पृथक्करणवादी हूँ। मैं एक पृथक्करणवादी हूँ। क्योंकि मैं इस बात की परवाह नही करता हूँ कि वे कितनी बहस करते हैं , आप एक मसीही होते हुये एकीकरणवादी नही हो सकते हैं। यह बिलकुल ठीक बात है। यहाँ तक कि परमेश्वर अपने राज्यों को भी अलग करता है। वह अपने लोगो को अलग करता है।''उनके बीच में से निकल आओ !'' वह है...वह पृथक्करणवादी है।''न करो.... उनकी अपवित्र वस्तुओं को न छुओ !'' उसने इस्त्रायल को जो कि यहूदी जाति थी , संसार की हर एक जाति से बाहर निकाला। वह एक पृथक्करणवादी है।

188 परन्तु मैं यह विश्वास नही करता हूँ कि किसी व्यक्ति को गुलाम होना चाहिये। परमेश्वर ने मनुष्य को बनाया है ; मनुष्य ने गुलामों को बनाया है। मैं यह विश्वास नही करता हूँ कि एक व्यक्ति को किसी दूसरे पर , किसी जाति , किसी रंग के लोगो पर या किसी और पर शासन करना चाहिये।

189 परन्तु एक पृथक्करण , अलग होना है , मसीही की दुल्हन बाकि सब कलीसियाओं से अलग की गयी है , और यह एक बिलकुल ठीक बात है : सांसारिक कलीसिया और आत्मिक कलीसिया ; शारीरिक कलीसिया और कलीसिया अर्थात वचन। हमेशा से ऐसा हुआ है। ''यीशु अपनो के पास आया और उसके अपनो ने उसे ग्रहण नही किया ; परन्तु जिन्होंने उसे ग्रहण किया!''

190 अतः खरीदने वाले होते थे , दलाल जाते थे और उन गुलामों को खरीदते थे। एक बार एक था जो कि उस बड़े बगीचे में आया , और उसने उन्हें देखा। आप जानते हैं कि गुलामों को किस तरह से बुरी तरह से मारा जाता है और हर एक बात होती है। वे अपने घर से अलग थे ; वे वापस कभी नही जा सकते थे। बोअर लोग और हौलैंडर गये थे और उनको यहाँ पर लाये

थे और उन्हें बेच दिया था। और वे अपने पापा और मम्मी को कभी नही देख सकते थे , वे अपने बच्चों को कभी नही देख सकते थे। वे उन्हें आपस में मिश्रित करते थे ; एक बड़े आदमी को लेते थे और उसे अपनी पत्नी से दूर एक बड़ी स्त्री के साथ मिश्रित करते थे , ताकि उनको और भी बड़े गुलाम मिलें। ओह! परमेश्वर उनसे एक दिन उस बात के लिये जवाब मांगेगा! यह ठीक बात है। यह ठीक बात नही है।

191 जैसा कि अब्राहम लिंकन ने एक बार कहा , जब वह नये औरलियन्स में एक नाव से उतरा , और अपनी स्टोवपाइप टोपी उठायी.....

192 उसने वहाँ पर तीन या चार नीग्रो लोगो को आते हुये और वहाँ बिना जूतों के खड़े हुये देखा था , जहाँ पर उनके पास ..... एक गाय वहाँ पर बैठी थी और पाले को जमीन पर से हटा दिया था , गायों को अन्दर करके वे खड़े हुये थे। उनके बूढ़े पैर फट गये थे और उसमें से खून निकल रहा था। वे गा रहे थे ,"आपके पास जूते हैं और मेरे पास जूते हैं और परमेश्वर के सारे बच्चों के पास जूते हैं।"

193 जब वह अपनी नाव से वहाँ पर उतरा , बैलों के रहने के स्थान में चलकर गया , वहाँ पर एक बहुत बड़ा नीग्रो खड़ा हुआ था , उसे कोड़े मार रहा था , उसके हृदय की परीक्षण कर रहा था। और वह उसे सड़क पर आगे और पीछे भगा रहा था और पीछे उसके हाथ में कोड़ा था ; फिर उसके हृदय को जांचता था कि वह ठीक था कि नही। उसकी बेचारी पत्नी वहाँ पर खड़ी हुयी थी , उसके हाथों में दो या तीन बच्चे इस तरह से थे ; वे ऐसा उसको बेचने के लिये और उसे दूसरी स्त्री के साथ मिश्रित करने का यत्न कर रहे थे। बूढ़े अब्राहम लिंकन ने अपनी टोपी के नीचे....उसने अपनी टोपी अपने बगल में इस तरह से ली , और अपनी मुट्ठी बन्द करके दूसरे हाथ में मारी , और उसने कहा ,"यह गलत बात है ! और किसी दिन मैं उस बात पर प्रहार करूंगा , यदि इसके लिये मुझे इतनी कीमत भी चुकानी पड़े कि मेरा जीवन चला जाये।" और वहाँ , शिकागो के एक संग्राहलय में , उसका खून लगी हुयी पोशाक रखी हुयी है , जिसने उस नीग्रो को उस बात से छुड़ाया था।

194 और मैं कहता हूँ कि पाप और वे बातें गलत हैं ! परमेश्वर मुझे और सुसमाचार के दूसरे सेवको को उस बात पर प्रहार करने की सहायता प्रदान करें। हम स्वतन्त्र रूप से जन्में , परमेश्वर के बच्चे हैं। किसी मत या सिद्धान्त का हमसे कोई लेना देना नही है कि वह हमको विश्व गिरजों के संघ में धकेले। हम पवित्र आत्मा में स्वतन्त्र रूप से जन्में हुये व्यक्ति हैं। हमे एक अधिकार है। हम पिन्तेकोस्तल होने के लिये ऐसी बातों में से निकल कर आये हैं। यह एक ठीक बात है। अब हम स्वतन्त्र हैं। हमें फिर से उन बातों के द्वारा बंधने की आवश्यकता नही है।

195 परन्तु इस खरीदने वाले ने अपने सौ या कुछ इतने ही गुलामों की ओर देखकर कहा जो कि उस बड़े बगीचे में थे , उसने कहा ,"कहिये !" एक छोटा व्यक्ति वहाँ पर है , उन्हें उसे मारने की आवश्यकता नही पड़ती थी ; उसका सीना बाहर की ओर निकला हुआ था , और उसकी ठुड्डी ऊपर की ओर थी , ठीक तरह से कार्य कर रहा था ! कहा ,"एक बात कहूँ! मैं उसको खरीदना चाहता हूँ।"

196 उसने कहा ,"ओह नही !" मालिक ने कहा ,"वह बिकने के लिये नही है।"

उसने कहा ,"अच्छा , क्या वह गुलाम है ?"

कहा ,"हाँ।"

197 उसने कहा ,"अच्छा , वह किस बात में भिन्न है ?" कहा ,"क्या तुम उसे भिन्न प्रकार का भोजन देते हो ?

कहा ,"नही , वे सभी वहाँ उस बड़े चप्पू वाले जहाज में एक साथ खाना खाते हैं।"

कहा ,"क्या वह उन सब के ऊपर बौस है ?"

कहा ,''नही , वह बस एक गुलाम है।''

''अच्छा ,'' कहा ,''वह किस बात में भिन्न है ?''

198 कहा ,''आप जानते हैं , मैं स्वयं आश्चर्य किया करता था। परन्तु ,'' कहा ,''आप जानते हैं , अपनी मातृभूमि जो कि अफ्रीका में है और जहाँ से वह आया है , इस लड़के का पिता एक जाति का राजा है। और हालाँकि यह अजनबी है , वह राजा के पुत्र के सामान व्यवहार करता है।''

199 ओह , मैंने सोचा , यह एक मसीही युवा स्त्री और युवा पुरूष के लिये क्या ही बात है। स्त्रियों , उस प्रकार के कपड़ो को पहनना छोड़ दें ! पुरूषों , उन गन्दे चुटकलों को और उस तरह की बातों को कहना छोड़ दो ! हम राजा के बेटे और बेटियाँ हैं। रानी की तरह से कपड़े पहने , एक महिला के की तरह से कपड़े पहने। सज्जन व्यक्ति की तरह व्यवहार करें , उस प्रकार से अपने बालों को न बड़ने दें। बाईबिल कहती है ,''पुरूष के लिये लम्बे बाल रखना गलत है(प्रकृति इस बात को सिखाती है)। और यह घृणित बात है और एक साधारण बात है कि एक स्त्री बाल कटाये हुये प्रार्थना करे।'' और इन बातो के विषय में क्या ? ''स्त्रियों के लिये पुरूषों के वस्त्र पहनना घृणित बात है।'' वह महान न बदलने वाला परमेश्वर कभी बदलता नही है। परन्तु फिर भी इस बात में वह ढीले हैं , जैसा कि बाकि का हमारा राष्ट्र है , यह शर्म की बात है। आइये हम परमेश्वर के बेटे और बेटियों की तरह से व्यवहार करें। आइये हम उसकी तरह जीवन व्यतीत करें। हम हैं , हम राजा के पुत्र हैं। हम हैं। हम हैं। ठीक अभी इस गड़बड़ और गन्दी और घिनौनी बातों के झुण्ड में जो कि यहाँ पर चारों ओर हैं , लोग अपने आप को ''मसीही'' कहते हैं और फिर भी उस प्रकार से व्यवहार कर रहे हैं!

200 परन्तु स्मरण रहे , हमें एक दिन खटखटाना सुनाई पड़ा और उसके अन्दर आने के लिये हमने खोला , अभिमान और सब प्रकार की बातें छोड़ कर चली गयीं। आमीन। मैं इस बात की परवाह नही करता हूँ कि वे मुझे क्या कहते हैं !

ओह , मेरा अनुमान है मैं बस थोड़ा सा पुराने फैशन का हूँ , परन्तु मेरा उद्धारकर्ता भी पुराने फैशन का था।

201 क्या यह ठीक बात है ? आप ने उस गाने को सुना है। पुराने फैशन के हों! किसी के सामान बनने का यत्न न करें। वह ही आपका उदाहरण है। उसके सामान बनने का यत्न करें , और जो आत्मा आपके अन्दर है , वो आपको वैसा करने में सहायता प्रदान करेगा। ऐसा होने पाये की आपका जीवन उसके सामान हो।

202 हाँ , वहाँ पर एक दरवाजा है। मैं एक और दरवाजे के विषय मे बोलना चाहता हूँ। मैं बहुत अधिक बोलने लगता हूँ। दाहिने तरफ उसके चारों ओर , ठीक उस दरवाजे के पास में वहाँ पर एक और दरवाजा है , और वो दरवाजा आपके निज जीवन की तरफ ले जाता है। ओह !ओह , आप यह नही चाहते है कि वह उसके साथ में कुछ गड़बड़ करे। ''अब यदि मैं बाहर एक छोटी काकटेल पार्टी में जाना चाहता हूँ तो इससे आपको क्या ? कौन सी ऐसी कलीसिया है जो कि मुझे यह बतायेगी कि मुझे क्या करना है ? हुँह , देखिये कि आप उसी स्थिति में हैं। ''अपने वेतन का दसवांअंश ? कौन मुझे बतायेगा कि मुझे क्या करना है ? यह मेरा अपना निज जीवन है! मैं उस पैसे को कमाता हूँ। मेरा अपना जीवन है। मैं यदि आधी पैंटे पहनना चाहूं तो मैं पहनूंगा। यह मेरा अपना अमेरिकी सौभाग्य है।'' यह सच बात है। निश्चित रूप से। यह ठीक बात है।

203 परन्तु यदि आप एक मेमने हैं , और बकरी नही हैं , समझे , यह मेमना ही है जिसके पीछे वह पड़ा है। वे किसी दिन अलग कर दिये जायेंगे।

204 भेड़ के ऊन होता है। वही वह चीज होती है जो उसके पास होती है। और वह ऊन को बना नही सकती है। हमसे यह नही कहा गया है कि हम पवित्र आत्मा के फलों का निर्माण करें , परन्तु आत्मा के फलों को लाना है। जबतक कि वह भेड़ है , वह लायेगी। उसे निर्माण करने की आवश्यकता नही है। वो ग्रन्थियां और सब कुछ जो भेड़ में हैं , वह ऊन को बनायेंगी क्योंकि उसके अन्दर वो ग्रन्थियां और अधिवृक्क और चीजों से ऊन बनता है।

205 और जब आप मसीही होते हैं , आप वचन के साथ सहमत होंगे। मैं इसकी परवाह नही करता हूँ कि कोई क्या कहता है। आप को किसी चीज को बनाना नही पड़ता है , और किसी चीज को खीचना और पंप करके लाना नही होता है। आप मसीही होते हैं। आप अपने आप आत्मा के फलों को लाते हैं।समझे ? समझे ,और यह बात इसी तरह से होती है। समझे ?

206 परन्तु आज लोग , वे यह नही चाहते हैं कि आप उनके निज जीवन के साथ दखल दें।

207 केवल एक ही बात आप करते हैं , बस चारों ओर के हर एक दरवाजे को खोल दें , अब यह कहें ,"यीशु , अन्दर आइये।" देखें कि क्या होता है। जब आप पुस्तक में देखते हैं कि आप को यह करना है , आप उस बात को करेंगे। क्यों ? तब आप आरंभ से ही एक भेड़ हैं।

208 परन्तु यदि आप उसको दरवाजे पर ही रहने देना चाहते हैं , बस यह कहें,"मैंने कलीसिया में सम्मिलित हुआ हूँ। मैं आप की तरह से ही अच्छा हूँ। देखो , मैंने मसीह को ग्रहण किया है।" शायद बस वही आपने किया हो। परन्तु क्या आपने उसे प्रभु बनाया है ? समझे ?

209 अब , प्रभु एक नियमों की पुस्तक को बनाकर और एक वचन को कहकर और फिर वापस आकर उसका इंकार नही कर सकता है। और यदि आप कहते हैं कि आप को पवित्र आत्मा मिला है , और बाईबिल किसी निश्चित बात को करने के लिये कहती है , और आप कहते हैं ,"ओह , मैं उस बात पर विश्वास नही करता हूँ।" आप बस स्मरण रखें , जो आत्मा आपके ऊपर है वह पवित्र आत्मा नही है , वो अपने आप का इंकार नही कर सकता है। यह एक ठीक बात है। वह अपने आप का इंकार नही कर सकता है। उसने वचन को लिखा है , और वह उसे पूरा करने के लिये उसकी देखभाल करता है। समझे ? अतः यह पवित्र.... नही है।

210 वह एक आत्मा तो है , ठीक है। हो सकता है कि वह एक कलीसिया की आत्मा हो। शायद वो किसी याजक की आत्मा हो। शायद वो संसार की

आत्मा हो। हो सकता है। मैं यह नही जानता हूँ कि यह क्या है , परन्तु वह जो भी कुछ है, हो सकता है कि वह नामधारी गिरजे की आत्मा हो ,"मैं मेथोडिस्ट हूँ। मैं बैपटिस्ट हूँ। मैं प्रसबेटेरियन हूँ। मैं पिन्तेकोस्तल हूँ। मैं यह या वह हूँ।"

211 पिन्तेकुस्त ! अब स्मरण रहे , मुझे इस बात को समझाने दें ; पिन्तेकुस्त कोई संस्था नही है , पिन्तुकुस्त एक अनुभव है जो कि आपको मिलता है। आप जो कि मेथोडिस्ट , बैपटिस्ट , कैथलिक और सभी हैं , वे पिन्तेकुस्त का अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। आप पिन्तेकुस्त में सम्मिलित नही हो सकते हैं , क्योंकि कोई तरीका ही नही है कि आप उसमें सम्मिलित हों।

212 मैं ब्रन्हम परिवार में पचपन वर्ष से हूँ। आप जानते हैं , उन्होंने मुझसे कभी नही कहा कि मैं ब्रन्हम बन जाऊँ। मेरा जन्म ही ब्रन्हम के रूप में हुआ था।

213 और इसी तरह से आप मसीही बनते हैं , आप का जन्म मसीही के रूप में होता है। अब यह एक ठीक बात है।

214 ओह , वह निज जीवन !" ओह , मैं आपको बताता हूँ कि मेरा पास्टर उन नाचों में जाता है और हम उस मटकने वाले नाचों में जाते हैं। वे ऐसा करते हैं।"ठीक है। समझे ? "आप मुझे यह न बताओ कि मुझे क्या करना है और क्या नही करना है।" ठीक है , समझे , आप उस को अन्दर आने नही देते हैं।

215 बस उसको एक बार अन्दर आने दें , और फिर वापस उस मटकने में या राक–एन–रौल में वापस जायें , या वह जो भी कुछ जो आप करने जा रहे हैं , देखें कि आप क्या कर सकते हैं। आप ऐसा नही कर सकते हैं। उसे एक बार अन्दर आने दें , और आपमें से कुछ स्त्रियां फिर आधी पैंटे पहनना आरंभ करें।

216 मैं जानता हूँ कि मैं आपका बहुत समय ले रहा हूँ , परन्तु मैं एक और

बात कहना चाहता हूँ , यदि वह इस संदर्भ में ठीक है।

217 मैं यह मानता हूँ कि वह सबसे बढ़ी सभा जो प्रभु ने अपने लिये मुझे करने दी, वह बंबई की सभा थी , जहाँ पर मेरे पास पाँच सौ हजार लोग थे परन्तु , और डरबन , अफ्रीका में दौ सौ कुछ हजार थे जो कि दौड़ने वाले मैदान में थे। उस दोपहर मैंने उन महान अद्‌भुत बातों को देखने के बाद जो हमारे अनुग्रहकारी प्रभु ने नीचे आकर करी थीं , कहा ,''मिशनरियों ने आपको वचन सिखाया परन्तु वचन को जीवित किया गया है और उसमे जीवन डाल दिया गया है। जो उसने कहा था , उस बात को जीवन्त किया गया है।'' और–और तब फिर एक जगह पच्चीस हजार चंगाईयां एक बार में हुयीं , और अच्छी सी पुरानी कुरसियों के झुण्ड वहाँ पर थे ; बस एक साधारण सी छोटी प्रार्थना , उन्होंने बस पवित्र आत्मा को देखा.... वे लोग जो यह नही जानते थे कि वे कहाँ से आयें हैं और वे कौन हैं , वही सब कुछ था जो कि वे देखना चाहते थे। समझे ?

218 और मैंने पूछा ,''कितने हैं जो कि मसीह को ग्रहण करना चाहते हैं ?'' वहाँ पर तीस हजार थे जो कि अपने पैंरों पर खड़े हो गये , वे कंबल ओढ़े हुये देशवासी थे , मूर्तियों को पकड़े हुये थे।

219 डाक्टर बासवर्थ , डाक्टर बैक्सटर और उन लोगों ने रोना आरंभ कर दिया। और डाक्टर बासवर्थ दौड़े और कहा–कहा ,''भाई ब्रन्हम , यह आपका ताज पहनने का दिन है।''

220 भाई बैक्सटर ने कहा ,''भाई ब्रन्हम , मैं आश्चर्य करता हूँ , मैं यह सोचता हूँ कि उनका मतलब शारीरिक चंगाई से था।''

221 वह लड़का अपने घुटनो और हाथों के बल था। और पवित्र आत्मा ने उसे बताया कि वह कहाँ से आया है , उसे क्या हुआ है , कहा ,''तुम बातचीत कर सकोगे। अपने भाई के विषय में सोचो , वह लगभग आधी मील दूरी पर वहाँ पीछे है। वह पीली बकरी की सवारी कर रहा था और उसके पैंरो में चोट लग गयी थी।'' मैंने कहा ,''**परन्तु यहोवा यों कहता है** , वह चंगा हो चुका

है।'' यहाँ पर लड़का आता है जिसके हाथों में इस तरह से बैसाखी है। और उनको चुप कराने में मिलेटरी को बीस मिनट का समय लगता है।

222 तब यह लड़का जो कि हाथों और पैंरो के बल था , इस तरह से था वह नीचे झुका हुआ था , अपने आप को ऊपर तक भी नही उठा सकता था ,वह नग्न अवस्था में था। ओह मेरे परमेश्वर , कितनी भयानक बात थी! उसने यह सोचा था कि वह यहाँ पर पर्यटकों के लिये एक तरह का जंगल नृत्य करने के लिये आ रहा है , आप जानते हैं। और मैंने जंजीर को लिया और उसे हिलाया। मैंने कहा ,''यदि मैं उस बेचारे प्राणी की सहायता कर सकता और न की होती , तो मैं होता..... मैं वहाँ पीछे खड़े रहने के योग्य न होता। परन्तु ,'' मैंने कहा ,''मैं उसकी सहायता नही कर सकता हूँ। परन्तु मैं जानता हूँ कि मेरे पास एक वरदान है , यदि मैं बस उसे आरंभ कर सकता तो जो भी कुछ परमेश्वर कहता है।''

223 और जब परमेश्वर ने दिखाया , उसे यह बताया कि वह कौन है , कहा ,''उसके माता पिता वहाँ पर बैठे हुये हैं , वे जूलूवासी हैं। और कहा ,''वे पतले असाधारण लोग हैं।'' एक जूलू व्यक्ति का वजन औसतः तीन सौ पाऊँड का होता है। अतः फिर कहा ,''वे असाधारण लोग हैं। परन्तु इस लड़के का जन्म मसीही परिवार में हुआ था , क्योंकि उसके..... सीधे हाथ की तरफ , जैसे ही आप दरवाजे के अन्दर जाते हैं , एक छोटी सी घांस फूस की झोपड़ी में वहाँ पर मसीह की तस्वीर है।'' और वह बिलकुल ठीक बात थी। उसके माता और पिता खड़े हो गये। ''और उसका नाम यह है।'' वह वही व्यक्ति था और यही सब कुछ था। वे समझ नही पाये थे। जितना सीधा वह हो सकता था , मैंने वहाँ पर दर्शन में वैसे ही उसे खड़ा हुआ पाया। वह अपने जीवन में कभी खड़ा नही हुआ था , उसका जन्म उसी प्रकार से हुआ था। मैंने कहा ,''प्रभु यीशु आपको चंगा करता है।''

224 वह अपने आपे में तक नही था , वह यह कहने का यत्न कर रहा था ,''ऊह, बा ,बा , बा ,'' उसी प्रकार से बोल रहा था।

225 और मैंने जंजीर को हाथों में लिया , और उसे उस प्रकार से

हिलाया। मैंने कहा ,''पुत्र , यीशु मसीह तुमको चंगा करता है। अपने पैंरों पर खड़े हो जाओ।'' वहाँ पर वह खड़ा हो गया। जब वह उस प्रकार से नीचे गया , उसके आँसू बह रहे थे और काले पेट पर से होकर नीचे जा रहे रहे थे। मैं तीस हजार कंबल ओढ़े हुये देशवासियों को अपना हृदय यीशु मसीह को देते हुये देखा।

226 जब हम किवानीस क्लब पर थे , अब मैंने कहा ,''..... और जब मैंने बैपटिस्ट कलीसिया को छोड़ा , ताकि मैं सब लोगो के साथ में सहभागिता कर सकूँ , उन्होंने मुझे बताया कि मैं ,''पवित्र पाखंडी'' होने जा रहा हूँ। मैं अपने बैपटिस्ट भाइयों के झुण्ड के साथ में बैठा हुआ था , मैंने कहा ,''तुमने पिछले एक सौ पचास वर्षों तक वहाँ पर मिशनरियों को भेजा है , उनको मैंने वहाँ क्या करते पाया ? अभी भी मूरतों को लिये फिरते हैं।'' मैंने कहा ,''परन्तु यह यीशु मसीह के पुनुरूत्थान की सामर्थ थी ,'' तीस हजार लोगों ने एक समय में मसीह को ग्रहण किया।''

227 अब मैं आप स्त्रीयों से यह कहना चाहता हूँ , आप जानती हैं कि उन स्त्रियों को क्या हुआ ? मैंने कहा ,''ठीक उसी जमीन पर जहाँ पर आप खड़ी हुयी हैं , पवित्र आत्मा आप को भर देगा।'' जब उन्होंने अपने हाथ मसीह को अपना उद्धारकर्ता ग्रहण करने के लिये उठाये , और जब वे वहाँ पर से चल कर गयीं ; वे नग्न थीं , अब , उन्होंने कुछ नही परन्तु सामने एक छोटा सा कपड़े का टुकड़ा पहन रखा था। और जब वे वहाँ पर सें चलकर गयीं , उन्होंने अपने हाथों का इस प्रकार से बाँध लिया , क्योंकि मसीह को ग्रहण करने के बाद वे मनुष्य की उपस्थिति में थी।

228 अब हमारी बहने कैसे , हम जो कि इस राष्ट्र में हैं , यह कैसे दावा करते हैं कि हम विश्वास करते हैं और यह की हम मसीही हैं , और हर एक वर्ष वे उससे भी ज्यादा कपड़े उतारते हैं ? जबकि उस व्यक्ति ने कभी भी मसीह का नाम नही सुना , परन्तु बस अपने हृदय में उसे ग्रहण किया। नही , आप उन्हें यह नही बता सकते थे कि वे नग्न हैं , वे उस बात को नही जानती थीं। परन्तु जब वे जा रही थीं , उन्होंने अपने आप को इस तरह से ढांप लिया था। अगले दिन या दो दिन बाद आप उन्हें किसी प्रकार के कपड़े

पहने हुये पायेंगे। ओह मेरे परमेश्वर !

229 कहीं पर कुछ गलत है। यह धर्मशास्त्रज्ञान का तोड़ना मरोड़ना है। यह यीशु मसीह के पुनुरूत्थान की सामर्थ है , जैसा कि उसने एक व्यक्ति के साथ किया था जिसको कि ''सेना'' कहा जाता था , हमने पाया कि उसने कपड़े पहन लिये थे और उसकी मानसिक स्थिति ठीक हो गयी थी। और मैं यह विश्वास करता हूँ कि यह एक आत्मा है जो कि लोगो के ऊपर है और जो कि लोगो को अमेरिकीवाद और फ्रेंचवाद की ओर धकेलती है , और हर एक प्रकार की सांसारिकता और कलीसिया के वादों की ओर धकेलती है। परन्तु उन्हें एक बार स्वामी के पास आने दें , और वे उस खटखटाने को महसूस करें, वे कपड़े पहन लेंगे और स्त्री और पुरूष की तरह व्यवहार करने लगेंगे , और वे नया जन्म प्राप्त मसीही बन जायेंगे। आमीन ! जी हाँ।

230 अब मैं समाप्त करूंगा , बारह बजने में दस मिनट बाकी हैं , बस कुछ ही मिनट बाकी हैं , मुझे कुछ बातों कों छोड़ने दें। बस कुछ समय तक , कुछ वचन के लेखों को देंखेंगे , मैं एक और दरवाजे को खोलना चाहता हूँ। क्या यह ठीक रहेगा ?(सभा कहती है ,''आमीन।''–सम्पा.)

231 वहाँ पर जाने का एक और दरवाजा है और वह है विश्वास। समझे , आपका निज जीवन.... अभिमान का दरवाजा , आपका निज जीवन , अब आइये , हम विश्वास को खोंले। देखिये कि बस यह दरवाजों का एक समूह है , परन्तु आइये हम विश्वास के अन्दर चलें।

232 आप जानते हैं कि कुछ समय पहले मैं एक अस्पताल में था , और एक स्त्री को चिकित्सा के लिये ले जा रहे थे। उसने मुझे बुलाया , उसने कहा ,''भाई ब्रन्हम , मैं पिछड़ चुकी हूँ। क्या आप मेरे लिये प्रार्थना करेंगे ?''

233 मैंने कहा ,''हाँ मैडम , मुझे यह करने में खुशी होगी।'' मैंने कहा ,''आप पिछड़ चुकी हैं ?''

''हाँ।''

234 मैंने कहा ,"अब आइये बस एक मिनट के लिये इन्तजार करें। मुझे वचन को आपके लिये पढ़ने दें।"

235 पलंग पर एक स्त्री थी जो कि मुझे अजीब तरह से देख रही थी; उसका बीस वर्षीय पुत्र नियमित रूप से एक आवारा किस्म का लड़का था , और वह वहाँ पर खड़ा हुआ था और वे मुझे उस प्रकार से देख रहे थे।

236 और मैंने कहा ,"जी हाँ मैंडम ," मैंने कहा। मैंने वचन को उसके लिये पढ़ा , "चाहे तुम्हारे पाप लाल रंग के क्यों न हों , वे ऊन की नाई उजले हो जायेंगे।" और हे मेरे परमेश्वर , मैंने यह उसके लिये पढ़ा। मैंने कहा ,"यदि आप भटक गयी हैं , देखिये , आप परमेश्वर से दूर हो गयी हैं , परन्तु परमेश्वर आपसे कभी भी दूर नही हुआ है , अन्यथा आप कभी मुझे नही बुलातीं।" वह रोने लगी। मैंने कहा ,"हम प्रार्थना करेंगे।"

237 वह स्त्री जो कि दूसरे पलंग पर थी , उसने कहा ,"एक मिनट रूको ! वहाँ पर एक मिनट रूको !"

मैंने कहा ,"जी हाँ मैडम ?"

उसने कहा ,"उस पर्दे को बंद करो !"

और मैंने कहा ,"क्या आप मसीही नही हैं ?"

उसने कहा ,"हम मेथोडिस्ट हैं !"

238 मैंने कहा ,"अच्छा , उसका उस बात के साथ क्या लेना है ? समझे यह इस बात को कहने से ज्यादा नही होगा कि आप एक एक सूअर खाने में होते हुये यह कहें कि आप एक घोड़े के बच्चे हैं , समझे।" मैंने कहा ,"इस बात का कोई अर्थ नही है।" समझे ?

239 परन्तु आप समझें , यही वह जगह है जहाँ से यह बात आती है , यह स्वयं को धार्मिक बनाना होता है।" यह हमारे विश्वास के विरूद्ध है!" मैंने

कहा कि..... "हम दिव्य चंगाई को या उसी प्रकार की बातों को अपनी कलीसिया में नही चाहते हैं।" समझे , समझे कि मेरा क्या मतलब है ? देखिये , वे उस दरवाजे में प्रवेश नही करने देंगे। "वह बात हमारे विश्वास के विरोद्ध में हैं।"

240 केवल एक ही विश्वास है। "एक विश्वास , एक प्रभु , एक बपतिस्मा है।" वही विश्वास !

मेरा विश्वास तुझ को निहारता है ,
हे कलवरी के मेमने,
दिव्य उद्धारकर्ता ;
अब मुझे सुन जबकि मैं प्रार्थना करता हूँ ,
मेरे सारे अविश्वास को ले जा।

241 पाप !पाप , केवल एक ही पाप है , वह अविश्वास है। एक व्यक्ति जो पीता है , वह पापी नही है। समझे , वह–वह–वह पाप नही है , समझे। शराब पीना पाप नही है। व्याभिचार करना पाप नही है। झूठ बोलना , चोरी करना पाप नही है। वे अविश्वास के गुण हैं। यदि आप विश्वासी होते तो आप उस बात को नही करते , समझे।

242 केवल दो व्यक्ति होते हैं , आप या तो अविश्वासी हैं या विश्वासी हैं , समझे , इनमें से एक हैं। आप इन सब बातों को और धार्मिक रीति रिवाजों को इस लिये नही करते हैं क्योंकि आप अविश्वासी हैं ; यदि आप विश्वासी हैं , यह वचन होता है जिसपर आप विश्वास करते हैं क्योंकि मसीह वचन है। समझे? और आप बस एक अविश्वासी होते हैं क्योंकि आप किसी रीति रिवाज में , मत में या किसी और बात पर जो कि बाईबिल में जोड़ा गया होता है , विश्वास करते हैं , और नामधारी कलीसियायें भी करती हैं। परन्तु वास्तविक विश्वासी ठीक उस वचन के साथ में बना रहता है। और परमेश्वर ठीक उस वचन में होते हुये कार्य करता है , ठीक उससे होते हुये इस पीढ़ी में जिसमें कि हम रहते हैं , उसे पूरा करता है।

243 और अब ध्यान दें , और आप कहते हैं ,''ओह , मैं.... भाई ब्रन्हम , परमेश्वर....'' अच्छा , यह ठीक बात है , बहुत से खतनारहित फिलस्ति लोग भी एक बार गये थे। और मिश्री लोगों के एक झुण्ड ने लाल समुद्र के पार जाने में मूसा का अनुकरण करने का यत्न किया , परन्तु अंत में.....'' जैसे कि यन्नेस और यम्ब्रेस ने मूसा का सामना किया , अच्छा , हम इसी बात को अन्त के दिनो में पाते हैं ,'' बाईबिल ने ऐसा कहा है।

244 अब थोड़ा सा आगे और चलें। यीशु ने यहाँ पर इस अंतिम युग में कहा ,''क्योंकि तू कहता है कि तू धनी है और तुझे किसी बात की घटी नही है।'' बस इस बात को देखें कि आज कैसे हैं , वो सबसे धनी कलीसिया जो कि कभी हुयी! और अच्छा , आप जानते हैं , आप पिन्तेकोस्तल लोग उससे भी बेहतर होते यदि आप बाहर किसी कोने में एक खंजरी के साथ होते , जैसे कि आपके माता और पिता थे। परन्तु आप के पास उन बाकी सब के मुकाबले में अच्छी कलीसियायें हैं , वह कलीसियायें संसार में सबसे जल्दी बढ़ने वाली कलीसियायें हैं ; परन्तु वह परमेश्वर का आत्मा कहाँ पर है जो कि उनके मध्य में हुआ करता था ? आपने वास्तविक बात को छोड़ दिया। ''क्योंकि तू कहता है कि तू धनी है।''

245 ध्यान रहे कि यह पिन्तेकोस्तल हैं जिनसे कि वह बोल रहा है क्योंकि पिन्तेकोस्तल युग अंतिम युग है। समझे , यह सारी बेदारी जो कि हुयी , कोई संस्था आरंभ नही होने जा रही है। ऐसा नही होगा। यह अन्त है। गेहूँ पक गया है। वह अब पत्तियों से और डंठल से और भूसी से होता हुआ आया है , और अब वह गेहूँ बन गया है। समझे , अब वह और अधिक कुछ नही बनेगा। उन्होंने अगली वर्षा की शुरूआत करी , परन्तु वह बस ठीक अपने समय पर हुयी ; कुछ और भी बात ऐसे ही होती। वे होंगी। यह गेहूँ है जो कि आ रहा है। ध्यान दें।

246 ''और तू जो कहता है कि मैं धनी हूँ और धनवान हो गया हूँ , और मुझे किसी वस्तु की घटी नहीं , और यह नही जानता कि तू अभागा और तुच्छ और कंगाल और अंधा और नंगा है। मैं तुझे सम्मिति देता हूँ.....'' ओह मेरे परमेश्वर!'' मैं तुम्हारे द्वार पर खटखटाता हूँ।'' (भाई ब्रन्हम किसी चीज

पर खटखटाते हैं –सम्पा.) "लौदीकीया , मैं तेरे द्वार पर खटखटाता हूँ , और तुझे सलाह देता हूँ कि मेरे पास आ , और–और आग में ताये हुये सोने को मुझसे मोले ले ; सफेद वस्त्र ले कि तेरा नंगापन दिखायी न दे।"

247 उन चीजों को उतार दे और उन चीजों को पहन ले जिनको कि तुझे पहनना चाहिये , समझे , वचन की धार्मिकता को पहन ले जो कि वचन है। मेरी धार्मिकता नही ; उसकी धार्मिकता।

248 "और मैं तुझे इस बात की भी सम्मिति देता हूँ कि अपनी आंखों में लगाने के लिये सुर्मा ले कि तू देखने लगे। आंखों में लगाने के लिये सुर्मा !

249 मैं एक कैनटेकीयन हूँ। मैं पहाड़ों में जन्मा था , और हमारे पास ऊपर अटारी में एक छोटा सा पुराना स्थान हुआ करता था। और हम बच्चों ने डण्डे की बनी हुयी सीढ़ी बनायी थी , जिससे कि हम हर रात्रि ऊपर जाया करते थे। और हम लेट जाया करते थे। जब बर्फ पड़ती थी तो वे कैनवस का एक छोटा टुकड़ा काट कर हमारे ऊपर रख दिया करते थे। अच्छा , वे सितारे , वे पुराने क्लैपबोर्ड शिंग्ल्स.....

250 कितने जानते हैं कि क्लैपबोर्ड शिंग्ल्स क्या होता है ? अच्छा , भाई मैं यहाँ पर अपने घर में पहनने वाले कपड़ों को पहनकर क्यों नही आया ? मैं अभी यहाँ ठीक अपने घर पर हूँ , समझे। अच्छा , वे पुराने क्लैपबोर्ड शिंग्ल्स !

251 कितने इस बात को जानते हैं कि भूसी का गद्दा क्या होता है? अब आप क्या जानते हैं ! मैंने सोचा कि मैं किसी बात के विषय में बहुत अधिक धार्मिक अनुभव कर रहा हूँ। अच्छा , मेरा अनुमान है कि मैं अभी ठीक अपने घर पर हूँ। यह एक अच्छी बात है। और मैं बस कुछ वर्षों पहले तक कुछ नही जानता था।

252 आप में से कितने जानते हैं कि एक पुराना लैंप क्या होता है , और एक पुरानी चिमनी क्या होती है ? आप जानते हैं , वह एक बड़ा सा पुराना

चाँद हुआ करता था , उसके एक तरफ एक उल्लू था। आप जानते हैं कि उनको उस पुरानी चीज को कोई भी साफ नही किया करता था। मुझे पुरानी तेल भरने वाली चीज को लेना पड़ता था और वह पूरा मेरे ऊपर बिखर जाया करता था ; अतः मैं उस लैंप की चिमनी को लेता था और उसको बिखरने से बचाने के लिये मैं उसे पलट कर वहाँ पर रख दिया करता था। जी हाँ , मैं ऐसा ही किया करता था।

253 अब मेरे दादा जानवरों को पकड़ने वाले थे। मेरी नानी आरक्षित लोगों में से थीं। उन्होंने एक इन्डियन लड़की से जो कि शेरोकी आरक्षित लोग थे , शादी की जो कि वहाँ केनटेकी और टेनेसी में थे , आप जानते हैं कि कि वह शेरोकी घाटी कहाँ पर है। और वे , वो–वो हर समय शिकार किया करते थे और जानवरों को पकड़ा करते थे , वही तरीका है था जिससे कि वो अपनी जीविका कमाते थे।

254 और हम बच्चे वहाँ ऊपर लेटा करते थे , कभी–कभी बहुत अधिक ठंडा हो जाता था। और वह हवा वहाँ से आती थी , हमारी आंखों में ठंडा लग जाती थी , और–और हमारी आंखे चिपक कर रात में बन्द हो जाती थीं , आप जानते हैं। मामा उसको ''मैटर'' कहकर बुलाती थी। मैं नही जानता हूँ–मैं नही जानता हूँ कि वह क्या चीज है , परन्तु ठंड आपकी आंखो में चली जाती है और बहुत ठंडा हो जाता है। और वह कहा करती थीं ,''तुम्हारी आंखों में मैटर चला गया है,'' क्योंकि आप जानते हैं कि हवा घूमती हुयी वहाँ पर आती थी , ठंडी हवा के झोखे रात में आते थे। हमारी आंखे फूल के बन्द हो जाती थीं।

255 और मामा वहाँ पर प्रातः सीड़ीयों पर से आती थीं , वह प्रातः बिसकिट भी बनाया करती थी। उनके पास सारघम का शीरा मेज पर रखा हुआ होता था। और वह कहा करती थी ,''बिली !''

मैं कहा करता था ,''हाँ मामा ?''

''तुम और ऐडवर्ड नीचे आओ।''

256 "मामा , मैं देख नही सकता हूँ !" मैं अपने भाई को बुलाया करता था , हम उसे "हम्पी" कहकर बुलाया करते थे। "वह भी नही देख सकता था। समझे, हमारी आंखो में मैटर चला गया था।"

वह कहा करती थी ,"ठीक है , एक मिनट रूको।"

257 और नाना , जब वह कून को पकड़ा करते थे। कितने जानते हैं कि रकून क्या होता है ? वह होता है , और वह..... वह कून को पकड़ा करते थे वह उसके ऊपर से चर्बी को निकाल लिया करते थे और उसे एक बर्तन में रख दिया करते थे। और वह कून से बनाया हुयी चर्बी सब बातों के लिये हमारे परिवार में दवा थी। वे उसे हमे बुरे जुकाम में दिया करते थे , उसके ऊपर टरपैनटाइन का तेल और कोयले का तेल लगा कर देते थे। जब हमारा गला खराब होता था तो हम उसे निगल लिया करते थे। तब फिर उस कून की चर्बी को गर्म करके वह उसे हमारी आंखो पर मसला करती थी , और हमारी आंखे खुल जाया करती थी। समझे , यह कून की चर्बी थी जिससे ऐसा हो जाता था। समझे?

258 अब भाई , बहन , हम कलीसिया में एक ठंडे दौर से होकर गुजरे हैं। और यह एक ठीक बात है , बहुत अधिक ठंडी धार्मिक हवायें अन्दर आयी हैं हर एक को ठंड लग गयी है। और बहुत से लोगो की आंखे पूर्ण रूप से बन्द हो गयी हैं , और वहाँ एक बड़ा विश्व गिरजों का संध आने जा रहा है , और यह आपमें से हर एक को जबरदस्ती अन्दर ले लेगा। वे वचन से हटते जा रहे हैं , हमारे अपने झुण्ड ऐसा कर रहे हैं। मैं एक संदेश के प्रति अपने कर्तव्य में बंधा हुआ हूँ ; मैं अलग नही हूँ , परन्तु प्रेम के कारण। प्रेम सुधारात्मक होता है। वापस आ जाइये ! उस बात से दूर हट जाइये !आप जो सेवक भाई हैं , मैं इस बात की परवाह नही करता हूँ कि आपका झुण्ड क्या करता है ,आप उस बात से दूर रहें ! उस बात से दूर रहें !यह पशु की छाप है , उस बात से दूर रहें ! समझे , यीशु इस लौदीकिया काल में खटखटा रहा है। देखिये कि कहाँ पर से उसे बाहर निकाल दिया गया है ? वह व्यक्तियों के पास पहुंचने का यत्न कर रहा है , संस्थाओं और लोगो के झुण्डों के पास नही। वह एक को यहां पर , और एक को वहाँ पर और एक को वहाँ पर पाने

का यत्न कर रहा है। "मैं जिन जिन से प्रिति रखता हूँ , उन सब को उलाहना और ताड़ना देता हूँ।"

259 और जैसे कि एक छोटे से भाई को वहाँ पर एक दर्शन आया था , और उसने कहा कि उसे एक दर्शन आया था। और कहा ,"इस उजियाले को जिसे तुम ग्रहण करते हो , यही तुम्हारी मृत्यु का भी कारण होगा।" समझे ?

260 "मैं जिन जिन से प्रिति रखता हूँ , उन सब को उलाहना और ताड़ना देता हूँ, इसलिये सरगर्म हो और मन फिरा। मैं द्वार पर खड़ा हुआ खटखटाता हूँ।" अब देखिये , कून की चर्बी इस बात के लिये कुछ भी अच्छा नही कर पायेगी।

परन्तु एक सोता लहु से भरा हुआ है ,
जो कि इमैनुएल की नंसों से बहता है ,
जहाँ पर पापी डूबते हैं ,
सारे पाप के धब्बे मिट जाते हैं।

वह मरता हुआ डाकू आनंद मना रहा था
अपने दिन के उस सोते को देखकर ;
वहाँ पर मैं भी उसी तरह पापी....

261 उसने मेरी आंखो को अपने सुर्मे से खोल दिया। उसकी आत्मा नीचे आयी और बाईबिल को गर्मी पहुँचायी , उसका आंखो में लगाने वाला सुर्मा। मैं उसे देख नही पा रहा था। मैं बस एक स्थानीय बैपटिस्ट पास्टर था। परन्तु एक दिन उसकी आत्मा नीचे आयी , कून की चर्बी से उसने यह गर्म नही किया, परन्तु उसने पवित्र आत्मा और आग को भेजा ! एक छोटा सा आंख में लगाने वाला सुर्मा मेरी–मेरी बाईबिल में लगा..... और मैं अपनी आंखो से देखने लगा, मेरा मतलब है मेरी आखों में लगा ताकि मैं अपनी बाईबिल को देख सकूं। और मैंने उस बात को देखा ,"वह कल आज और सर्वदा एक सा है। सब मनुष्यों की बातें झूठी और मेरी बातें सच्ची ठहरें। मैं द्वार पर खड़ा हुआ खटखटाता हूँ।"

262 एक और छोटी कहानी। क्या हमारे पास समय है ?(सभा कहती है ,''आमीन''–सम्पा) हाँ , हाँ , तब फिर मैं आगे बडूंगा , समझे।

263 पश्चिम में एक बूढ़ा काला व्यक्ति रहता था। और उसका पास्टर , मैं उस को जानता था , वह एक अच्छा सा बूढ़ा व्यक्ति था। हम उसको गेब कहकर बुलाते थे। उसका नाम गेबरियल था , और हम बस उसको गेब कहकर बुलाते थे। वह याजक और मैं हम–हम बहुत अधिक शिकार किया करते थे। वह एक बूढ़ा अश्वेत भाई था , और हम शिकार पर बाहर जाया करते थे। और बूढ़े गेब को उन सभी व्यक्तियों कि तुलना में जिनको कि मैं जानता था , शिकार करना बहुत अच्छा लगता था , परन्तु उस का निशाना ठीक नही था। अतः एक दिन उसका याजक और वह शिकार पर गये।

264 और हम कभी भी बूढ़े गेब को गिरजे लाने में सफल नही होते थे। वह बस ऐसा नही करता था। वह गिरजे नही आता था। उसने कहा , ''आह , मैं वहाँ पर जाना नही चाहता हूँ जहाँ पर पाखंडी लोग हैं।''

265 मैंने कहा ,''परन्तु गेब , जब तक कि तुम बाहर रहते हो , वे तुम से भी बढ़े पाखंडी होंगे। देखो , तुम उनके पीछे छुप रहे हो।'' मैंने कहा ,''तुम उनके पीछे छुप रहे हो। जितने की वे हैं , तुम उससे छोटे हो ; वे जाते हैं और प्रयत्न तो करते हैं , समझे।''

266 और अतः उसने कहा ,''श्रीमान बिल , मैं–मैं–मैं–मैं–मैं तुम्हारे विषय में बहुत सोचता हूँ। परन्तु ,''कहा ,''मैं–मैं–मैं–मैं यह जानता हूँ कि बूढ़ा जोन्स वहाँ पर जाता है , और वह कुछ नही है ; वह बस हवा में गोली चलाता है और बस वही बात है।''

267 मैंने कहा ,''यह एक ठीक बात है , गेब। देखो , वह ठीक बात है। परन्तु स्मरण रखो कि जोन्स को उसके विषय में उत्तर देना होगा ; तुम को नही देना होगा , तुम समझे। यदि तुम बस जाओगे.....'' मैंने कहा ,''तुम्हारे पास एक अच्छा याजक है।''

268 ''ओह , पास्टर जोन्स तो इस देश के उन सबसे अच्छे व्यक्तियों में से एक हैं!''

269 मैंने कहा ,''यदि तुम उस बात से अधिक दूर नही देख सकते हो तो उसे अपना उदाहरण बनाओ। उसे अपना उदाहरण बनाओ।''

270 अतः एक दिन भाई जोन्स ने कहा , वह गेब को शिकार पर ले गये और कहा ,''हमें उस दिन उससे भी ज्यादा खरगोश और चिड़िया मिल गयी थीं जितनी की हम अपने साथ ले जा सकते थे।'' और कहा ,''शाम को आओ।'' कहा ,''बूढ़ा गेब पीछे आ रहा था , और आप जानते हैं कि वह इस तरह से पूरा लदा हुआ है।'' और उसकी पत्नी एक वास्तविक , बफादार मसीही थी। ठीक वहाँ पर उसका एक स्थान था , वह पवित्र आत्मा से भरी हुअी स्त्री थी और वह हमेशा अपना कर्तव्य पूरा करती थी। अतः वह था.... आप जानते हैं कि बूढ़ा गेब पीछे आ रहा था। और पास्टर जोन्स ने कहा कि उन्होंने पीछे देखा , वह देख सकते थे ,''बूढ़ा गेब अपने कंधे पर से पीछे इस तरह से देख रहा था।'' सूरज डूब रहा था ,'' कहा ,''सूरज नीचे जा रहा है , ठंड पड़ना आरंभ हो गयी है।'' कहा ,''कुछ देर के बाद ,'' कहा कि वो साथ साथ चल रहा है , कहा ,''बूढ़े गेब , यहाँ आओ। उसकी बन्दूक पर से खरगोश और चिड़िया और चीजे लटक रही थीं।'' कहा ,''उसने पास्टर के कंधे पर थपथपाया और कहा ,''पास्टर ?'''

कहा , कि वह पीछे मुड़ा और कहा ,''हाँ गेब , क्या बात है ?''

271 अतः उसने देखा , उसकी काले गालों पर जहाँ पर उसकी दाढ़ी सफेद हो रही थी . आंसू बह रहे थे। उसने कहा ,''पास्टर , आधे घंटे से मैं यहाँ पर इस तट पर चल रहा हूँ।'' कहा ,''मैं उस सूरज को नीचे जाते हुये देख रहा था।'' कहा ,''तुम जानते हो , ये मेरी बाल और मूंछे जो कि सफेद हो रही हैं।'' कहा ,''पास्टर , आप जानते हैं कि मेरा सूरज भी डूब रहा है।''

272 कहा ,''गेब , यह ठीक बात है।'' और वह बस रूका और पीछे मुड़ा

और बोला ,''तुम्हारे साथ में क्या बात है ?''

273 उसने कहा ,''मेरा भी सूर्य डूब रहा है।'' उसने कहा ,''तुम जानते हो कि क्या बात है ?'' कहा ,''मैं सोच रहा हूँ ,''उसने कहा ,''जब मैं वहाँ पीछे उसके साथ चल रहा था।'' उसने कहा ,''तुम जानते हो ,'' कहा ,''प्रभु मुझे प्रेम करता होगा।''

कहा ,''निश्चित रूप से वह करता है , गेब।''

274 कहा ,''तुम जानते हो कि मेरा निशाना ठीक नही है।'' कहा ,''मैं किसी भी चीज को मार नही पाया , परन्तु ,'' कहा ,''हमें–हमें घर पर इस मांस की सख्त जरूरत थी।'' और कहा ,''बस इन बड़ी अच्छी चीजों के झुण्ड को देखो जिनको कि उसने मुझे दिया है , ये चिड़ियां और ये खरगोश को देखो।'' उसने कहा ,''मेरे पास यह इतने हैं कि अगले सप्ताह तक के लिये काफी होंगे।'' कहा ,''उसने मुझे अवश्य ही प्रेम किया होगा क्योंकि मैं किसी चीज को मार नही सकता हूँ , तुम जानते हो।'' कहा ,''मैं उन चीजों को मार नही सकता हूँ परन्तु बस देखो कि उसने मुझे क्या दिया है।'' फिर उसने कहा ,''उसने मुझसे प्रेम किया होगा अन्यथा वह मुझे यह नही देता।''

कहा ,''यह ठीक बात है।''

275 और उसने कहा ,''अच्छा , मैंने वहाँ अन्दर अपने द्वार पर एक छोटी सा विचित्र खटखटाना सुना। उसने मुझे कहा कि पीछे मुड़ो , कहा ,''गेब , तुम्हारा सूर्य भी डूब रहा है।'' कहा ,''पास्टर , आप जानते हैं मैंने क्या किया उसने कहा ,''मैंने उसे एक प्रतिज्ञा की।''

276 उसने कहा ,''गेब , मैं तुम से कुछ पूछना चाहता हूँ।'' कहा ,''मैंने कौन सा संदेश प्रचार किया जिससे कि तुम्हें ऐसा लगा ?'' उसने कहा , पास्टर , या कहा ,'' अब एक मिनट रूको ,'' कहा ,''कौन सी गायन मण्डली ने गाया ?''

277 उसने कहा ,''ओह , पास्टर , मुझे निश्चित रूप से कलीसिया के गाने अच्छे लगते हैं।'' उसने कहा ,''मुझे वह हर एक संदेश अच्छा लगता है जो कि आप प्रचार करते हैं क्योंकि वह ठीक उस अच्छी पुस्तक में से आते हैं और मैं जानता हूँ कि वह ठीक है। परन्तु ,'' कहा ,''यह उससे नही हुआ।'' कहा ,''उसने बस खटखटाया और मैंने यहाँ पीछे मुड़कर देखा कि वो मेरे साथ में कितना अच्छा था , कि उसने मुझे क्या कुछ नही दिया।'' उसने कहा ,''रविवार प्रातः मैं ठीक उस स्थान पर चलकर जाने वाला था जहाँ पर आप खड़े हुये हैं।'' उसने कहा ,''मैं आपको दाहिना हाथ देने जा रहा हूँ ,'' कहा ,''क्योंकि वहाँ उस पहाड़ी के पास मैंने अपना हृदय प्रभु को दे दिया है।'' उसने कहा ,''मैं बपतिस्मा लेने जा रहा हूँ , और अपना स्थान अपनी पत्नी के ठीक पास में ग्रहण करने जा रहा हूँ। और मैं वैसे ही बने रहना चाहता हूँ जब तक कि प्रभु मुझे और ऊपर नही बुलाता है।'' समझे , उसने बस अपने चारों ओर देखा और यह देखा कि परमेश्वर उसके साथ में कितना अच्छा बना रहा।

278 मैं मिशनरी हूँ। यदि आप बस उन आंखो से देखें जिनसे कि मैं अभी देख रहा हूँ , और एक भारतीय स्थान को देखें , वे छोटी भूखे लोग , सड़कों पर खाने के लिये तरसती मातायें , उनके छोटे इतने भूखे कि वे और अधिक रो नही सकते , और बस सोंचे कि हमारे पास आज यहाँ पर क्या है। उन कारों को देखिये जिसमे कि आप आते हैं। उन कपड़ों को देखिये जो कि आप पहने हैं। देखिये कि आप कितने धनी हैं। मित्र , क्या आप उस धीमे से खटखटाये जाने को कहीं पर नही सुन सकते हैं ?

आइये हम प्रार्थना करें।

279 जबकि हमारे सिर और हृदय झुके हुये हैं , जबकि समय अभी तेजी से जा रहा है , दिन के बारह बजने में सात मिनट हैं। मेरे भाई और बहन , विज्ञान हमें यह बताता है कि मध्यरात्रि के होने में तीन मिनट और बाकी हैं। अब यदि आप अपने चारों ओर देख सकते हैं , और बस एक मिनट के लियें सोच सकते हैं। आप के छोटे बच्चे आप के पास बैठे हुये हैं। कितने ऐसे हैं जो दर्द.....

280 भाई , अपनी अच्छी पत्नी की तरफ देखें , और सोचें कि कितने व्यक्ति ऐसे हैं जिनकी कीमत लाखों डालर है , और वह एक स्त्री को अपने सम्पूर्ण हृदय से प्रेम करता है , और वह स्त्री लंबे समय से जेल में बन्द है। वह व्यक्ति अपने लाखों डालरों को उस तरह की स्त्री पाने में लगा देगा जो कि उससे वैसे ही प्रेम करे जैसे कि आपकी पत्नी आप से करती है। और आप , आप में से कितनी स्त्रियां....

281 यहाँ पर कितनी मातायें इस प्रातः ऐसी हैं जो कि अपने बच्चों के साथ में हैं, कितने पिता ऐसे हैं ; क्यों , ओह मेरे परमेश्वर , यहाँ पर कितने व्यक्ति ऐसे हैं जो कि छोटे से बेचारे अपंग बच्चे को उस छोटे से पलंग पर पड़ा हुआ देखते हैं , और आप अपने बच्चों को देखें कि कितने अच्छे हैं। समझे ? और आप में से बूढ़े.....

282 ओह परमेश्वर ! यदि हम बस देखें तो बहुत सी बाते हैं। वह हम अमेरिकी व्यक्तियों के लिये कितना अच्छा रहा है। अब क्या आप यह नही अनुभव करते हैं कि आप को इस प्रातः थोड़ा सा सुर्मा चाहिये ,''प्रभु , मेरी आंखों को बस थोड़ा सा और खोल दे , मेरी आंखो को खोल दे।'' जैसे कि हमारी बहन ने कितनी अच्छा गाना गाया ,''उसकी आंखे गौरेया पर हैं , बस एक छोटी गौरया पर , और मैं जानता हूँ कि वह मुझपर नजर रखता है।''

283 अब वह ठीक अभी आप की ओर देख रहा है। क्या आप बस नीचे अन्दर इस तरह के खटखटाने को सुन सकते हैं , (भाई ब्रन्हम किसी चीज पर खटखटाते हैं –सम्पा.) ''इस प्रातः मैं मुलाक़ात कर रहा हूँ ?'' यह वह सबसे बड़ा आदर होगा जो कि आप दे सकते हैं , यदि आप अपने हृदय पर उस खटखटाने को सुनते हैं।

284 क्या आप बस अपना हाथ उठायेंगे और कहेंगे ,''इसके सहारे परमेश्वर , आपकी सहायता और आपके अनुग्रह से , आज से मैं आपके बहुत अधिक समीपता में जीवन व्यतीत करूंगा जितना अधिक कि मैं जी सकता हूँ। यही सब कुछ है जो कि मैं आप से मांगना जानता हूँ।'' परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे।''आपके अनुग्रह और सहायता के

द्वारा , आज से मैं इस बात को कभी नही भूलूंगा।''

''देखो , मैं द्वार पर खड़ा हुआ खटखटाता हूँ। यदि कोई व्यक्ति....''

285 अब स्मरण रहे , वह कहाँ पर खटखटा रहा है , खत्ते के द्वार पर ? नही। क्या शराबखाने में ? नही। वह कहाँ पर खटखटा रहा है , कलीसिया पर!

286 ''यदि कोई मेरा शब्द सुनकर द्वार खोलेगा , तो मैं उसके पास भीतर आकर उसके साथ भोजन करूंगा , और वह मेरे साथ।''

287 प्रिय परमेश्वर , यह टूटे हुये , मिले जुले थोड़े से शब्द जो कि इस प्रातः कहे गये , किसी तरह से यह होने पाये कि पवित्र आत्मा इनका अनुवाद लोगो के हृदयों को दे।

288 अब परमेश्वर , यहाँ पर बहुत से थे , हो सकता है कि इन सौं लोगों में से बीस या तीस ने अपने हाथों को उठाया होगा। परमेश्वर , मेरे पास इस बात को जानने का कोई तरीका नही है कि उनको किस बात की आवश्यकता थी। परन्तु मैं इस बात को जानता हूँ कि मध्याह्न कुछ ही मिनटों दूर है , और और ऐसा ही प्रभु का आगमन भी है ;फिर भी इससे पहले कि यह बर्फ इस जमीन पर से पिघले , हमारा बुलावा आ सकता है , और यह ही वह घड़ी हो सकती है जो कि सारे भविष्य को बदल सकती है कि वे यहाँ पर छूट जायेंगे या ऊपर चले जायेंगे।

289 प्रिय परमेश्वर , हम यीशु को नम्रता के साथ ग्रहण करते हैं , हम उसके सारे वचनो को ग्रहण करते हैं। प्रभु हमें भर दे , हमें अपनी आत्मा से भर दे , कि हमारा जीवन अपने आप ही उन फलों को लाये। प्रभु , इसे प्रदान करें।

290 हमारी बहुत सारी गलतियों को क्षमा करें।ओह , हम उनसे कितना भरे हुये हैं, प्रभु। और प्रभु , हमारे पास देने के लिये कुछ भी नही है , क्योंकि

जो भी कुछ हमारे पास है , आप ही ने हमें दिया है। जैसा कि गेब ने उस छोटी सी कहानी जो कि हमने अभी कही , बोला था ,''आप , आप निश्चित रूप से हमसे प्रेम करते हैं प्रभु , अन्यथा आप ने यह नही किया होता।''और इस बात के विषय में सोचना कि ये लोग यहाँ पर सुबह से बैठे हुये हैं , यहाँ पर आठ बजे से बैठे हुये हैं , चार घंटे से यहाँ पर बैठे हुये हैं। प्रभु , वे आपसे प्रेम करते हैं। वे आपसे प्रेम करते हैं। अब पिता , क्या आप बस अपने पवित्र आत्मा रूपी उस सुर्मे का भेंजेगे कि वह हमारी आंखो को खोले। होने पाये कि हम....

291 वे जो कि इस शहर में हैं , होने पाये कि वे इस बेदारी में आज जल्दी से आयें , होने पाये कि एक ऐसा पवित्र आत्मा का उढ़ेला जाना हो ! प्रभु , इसे प्रदान करें। होने पाये कि एक पुराने फैशन की बेदारी इस शहर में आरंभ हो जाये। इसे प्रदान करें। उस हर एक व्यक्ति को आशीष दें जो कि कर रहा है , संसार में चारो ओर आपके सेवक जो कि प्रयास कर रहे हैं। प्रभु , उनके साथ में रहें , और उनकी सहायता करें।

292 हमारी आंखो को खोलिये ताकि हम मसीह की समानता में हो जाने को और अधिक देख सकें। प्रभु , इसे प्रदान करें। हमारे पापों को क्षमा करें।

293 पिता , और अब जिन्होंने अपने हाथों को उठाया है , मैं उन्हें आप को सौंपता हूँ। उन्हें ग्रहण करें। अब मैं आपके ही वचन को बोलता हूँ प्रभु , कि ''स्वर्ग और पृथ्वी टल जायेंगे परन्तु ,'' आपने कहा ,''वह'' जो कि व्यक्तिगत सर्वनाम है ,''वह जो मेरे वचनो को सुनता है....'' प्रभु , हो सकता है कि वे टूटे हुये हों और साधारण हों। बीज गिरा है। ''वह जो मेरे वचनो को सुनता है और , मेरे भेजने वाले की प्रतीति करता है ,'' क्योंकि उसने ही यह किया है ,''उसके पास है(वर्तमान काल) अनंत जीवन है , और भविष्य में न्याय में नही जायेगा, परन्तु वह मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुका है।'' प्रभु , उन्होंने अपने हाथों को उठाया है। उन्होंने उस हर एक वैज्ञानिक नियम को तोड़ा है; गुरूत्वाकर्षण हमारे हाथों को नीचे की ओर खींचता है। परन्तु उन्होंने यह सिद्ध किया है कि उनके अन्दर एक आत्मा है जो कि दरवाजे पर खटखटाने को सुन सकती है , और स्वर्ग की ओर अपने दाहिने हाथ को उठा

सकते हैं। अब द्वार को खोलें। प्रभु , खोंले और अन्दर आयें। हम आपके हैं। हमे यीशु मसीह के नाम में ग्रहण करें। आमीन।

मैं उससे प्रेम करता हूँ , मैं उससे प्रेम करता हूँ
क्योंकि उसने मुझसे पहले प्रेम किया
और खरीद लिया मेरा उद्धार
कलवरी के पेड़ पर

294 क्या आप उससे प्रेम करते हैं ? मैं आश्चर्य करता हूँ कि यदि हम बस अपनी आंखो को बस कुछ देर तक बंद नही करेंगे। अब अपने हृदयों से और अपने हाथों का ऊपर उठा कर

मैं उससे प्रेम करता हूँ , मैं उससे प्रेम करता हूँ क्योंकि....

295 प्रभु , हम इस प्रातः आपके खटखटाने को ग्रहण करते हैं। मेरे हाथ ऊपर हैं। प्रभु , हम सभी के हाथ उठे हुये हैं। अब प्रभु यीशु , अन्दर आइये। हमारे हृदयों में आइये और हमारे साथ भोजन करें , और हम आपके साथ में भोजन करेंगे।

कलवरी के पेड़ पर!

296 क्या आप उससे प्रेम करते हैं ? ओह , मैं सोचता हूँ कि वह कितना अद्‌भुत है ! क्या आप ऐसा नही सोचते हैं ? (सभा कहती है ,''आमीन।''– सम्पा.) क्या आप उसकी उपस्थिति को एक प्रकार से अन्दर से साफ नही कर रही है ? मैंने ठीक तभी वास्तविक रूप से धार्मिक अनुभव किया , बस वास्तविक रूप से उस बात के विषय में अच्छा अनुभव कर रहा हूँ , समझे।

मेरा विश्वास तुझको निहारता है ,
हे कलवरी के मेमने ,
दिव्य उद्धारकर्ता;
अब मेरी सुन जबकि मैं प्रार्थना करता हूँ ,

मेरे सारे पापों को दूर ले जा ,
ओह होने पाये कि इस दिन से
मैं सम्पूर्ण रूप से तेरा हो जाऊँ!,

297 अब मैं आप से चाहता हूँ कि जब हम उस मधुर गाने की अगली आयत को गुनगुनाते हैं , कलीसिया के उस पुराने गाने को , मैं आप से चाहता हूँ कि आप किसी और से हाथ मिलायें। बस अपनी सीटों पर रहें , बस यह कहें ,"परमेश्वर आपको आशीष दे भाई। परमेश्वर आपको आशीष दे बहन !"आइये हम ऐसा करें। (भाई ब्रन्हम और सभा मेरा विश्वास तुझको निहारता है गाने को गुनगुनाते हैं और फिर एक दूसरे से हाथ मिलाते हैं–सम्पा) भाई कार्ल और भाई विलियम्स , परमेश्वर आपको आशीष दे। मैं यहाँ होकर आनंदित हूँ।

298 जरा सोचें , मेथोडिस्ट हाथों ने पिन्तेकोस्तलों के हाथों को पकड़ा है , बैपटिस्ट ने प्रेसबेटेरियन के हाथों को पकड़ा है।

ओह , ऐसा होने पाये.... कि इस दिन से
मैं सम्पूर्ण रूप से तेरा हो जाऊँ!

299 अब जबकि हम धीमें से गाते हैं , और अपने हृदय की गहराइयों से भी गाते हैं। आप जानते हैं कि एक डांट फटकार वाले संदेश के बाद , मैं यह सोचता हूँ कि आत्मा में आना और पवित्र आत्मा की मधुरता को गाना कितनी अच्छी बात है।

300 "ओह , भाइयों के साथ एकता में वास करना कितनी मधुर बात है !" बाईबिल कहती है ,"यह उस अभिषेक के सामान है जो कि हारून की दाढ़ी पर था, जो कि उसकी कमीज के छोर तक बहता था।" आप यहाँ पर अद्भुत लोग हैं। मैं यह आशा करता हूँ कि इससे पहले कि यीशु मुझे वापस बुलाये या मिलेनियम आरंभ हो , मैं आपके पास फिर से आऊँ। यदि मैं नही आता हूँ ,मैं आपको नदी के उस पार मिलूंगा। मैं आपको नदी पर मिलूंगा।आमीन। मैंने आपके साथ में एक नियोजन किया है।

जब मैं जीवन के अंधकारमय पथ पर चलता हूँ ,
और मेरे चारों ओर दुःख हैं ,
तू मेरा मार्गदर्शक बन ;
अंधकार को दिन में बदल दें , (वह छोटा उजियाला जिसके विषय में वह बातचीत करते हैं)
दुःखों को और डर को हटा दे ,
ओह , ऐसा होने पाये कि इस दिन से
मैं सम्पूर्ण रूप से तेरा हो जाऊँ!

301 हर एक द्वार खुला हुआ है ! ओह , बस उस छोटे बटन को छूइये और देखिये कि वे चारों ओर एक गोले में घूमकर यह कहते हैं ,''प्रभु यीशु , अन्दर आइये , मेरे प्रभु और सब कुछ हो जाइये।''

ओह ऐसा होने पाये कि इस दिन से मैं आपको दरवाजे पर खड़ा न रहने दूँ,
सम्पूर्ण रूप से तेरा हो जाऊँ!

302 आप जिन्होंने अपना हाथ उठाया था और यह चाहते हैं कि आपकी और आगे तक प्रभु तक अगुवाई की जाये , मैं आपसे यह कहता हूँ कि आप आज रात्रि उस बेदारी में जायें। और मैं सुनिश्चित हूँ कि वहाँ का याजक आपको यहाँ से उस होटल तक ले जायेगा। उनके पास छः पेन्स हैं या जो भी कुछ उनको देखभाल करने के लिये दिया गया है , और तेल और दाखरस को उसमें डालना होगा। वह उस कार्य को पूरा कर सकते हैं।

303 परमेश्वर अब आपको आशीष दे। मैं इस सभा को वापस देता हूँ , शायद मेरा अनुमान है कि भाई विलियम्स को या जो भी कोई है..... ठीक है।

65-0206 Vol.17-3

दरवाजे के अन्दर दरवाजे

भाई ब्रन्हम के द्वारा यह संदेश शनिवार प्रातः फरवरी 6 , 1965 में अमेरिकाना होटल , फल्गस्टाफ , ऐरीजोना , संयुक्त राज्य अमेरिका में , फुल गास्पल व्यापारीयों की सभा के अंतराष्ट्रीय नाश्ते पर दिया गया। इसका टेप नम्बर है 65–0206 और यह टेप एक घंटे और बावन मिन्ट का है। चुम्बकीय टेप रिकार्डिंग से छपे हुये पन्ने पर ठीक–ठीक मौखिक संदेश को लाने के लिये हर एक प्रयास किये गये हैं , और बिना किसी काँट–छाँट किये हुये यह संदेश छापा गया है और VOICE OF GOD RECORDINGS के द्वारा बाँटा जाता है।1982 में छापा गया। 2001 में पुनः छापा गया।

© 2001VGR , ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS

P.O.BOX 950, JEFFERSONVILLE , INDIANA 47131 U.S.A

VOICE OF GOD RECORDINGS INC.

India Office

28, Shenoy Road, Nungambakkam, Chennai - 600 034. South India.

Phone : 044-28274560 Fax : 044-28256970

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org